दैनिक

प्रातः कालीन

भारत सरकार से रजिस्टर्ड

हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

KNLS Live

सम्पर्क करें-9027776991

न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में

न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दाम में

वर्ष :- 03 अंक :- 132 मुरादाबाद, 01 September 2023 (Friday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

संक्षिप्त समाचार

आसमान में दिखा अद्भुत खगोलीय नजारा,20 साल बाद धरती के इतने नजदीक आया चांद,देखते ही ठहर गए लोग

सुपर ब्लू मून सामान्य दिनों की तुलना में 40 फीसदी बड़ा और 30 फीसदी अधिक चमकीला नजर आता है। ब्लू मून में चंद्रमा नीला नहीं दिखाई देता है। वह थोड़ा हल्का नारंगी या पीला नजर आता है। चंद्रमा नीला तभी दिखाई देता है, जब आसपास बहुत ज्यादा प्रदूषण हो।सावन पूर्णिमा पर आकाश में खगोलीय घटना ने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचा। चांद के धरती के नजदीक आने के कारण रात को हर किसी ने सुपर ब्लू मून का दीदार किया। ज्योतिष और खगोल शास्त्र की अद्भुत घटना हर 20 साल बाद आसमान में नजर आती है। चंद्रमा का धरती के नजदीक आने पर द्वादश राशियों पर भी इसका प्रभाव पड़ता है।संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभागाध्यक्ष प्रो. अमित कुमार शुक्ला ने बताया कि सुपर ब्लू मून सामान्य दिनों की तुलना में 40 फीसदी बड़ा और 30 फीसदी अधिक चमकीला नजर आता है। ब्लू मून में चंद्रमा नीला नहीं दिखाई देता है। वह थोड़ा हल्का नारंगी या पीला नजर आता है। चंद्रमा नीला तभी दिखाई देता है, जब आसपास बहुत ज्यादा प्रदूषण हो। धूल के कण हवा में बिखरने के कारण चंद्रमा का रंग नीला नजर आता है। श्रावण पूर्णिमा पर चंद्रमा पृथ्वी के सबसे निकट था। रात 8:37 बजे सुपर ब्लू मून अपने पूर्ण आकार और चमक के साथ आसमान में नजर आया। ज्योतिषाचार्य दैवज्ञ कृष्ण शास्त्री ने बताया कि खगोल विज्ञान के अनुसार ब्लू मून की घटना तो दो से तीन वर्ष में एक बार घटती है लेकिन सुपर ब्लू मून लगभग दस वर्षों में एक बार आता है। हालांकि इस बार यह 20 साल बाद घटित हुई। अगला सुपर ब्लू मून अब साल 2037 में पड़ने की संभावना है। इस तरह बनती है ब्लू मून की स्थिति दैवज्ञ कृष्ण शास्त्री ने बताया कि चांद 354 दिनों में 12 लूनर चक्र पूरे करता है। एक साल में 12 महीने होते हैं और हर महीने में एक बार पूर्णिमा तिथि आती है। कैलेंडर के हिसाब से चंद्रमा पृथ्वी के साल भर में 12 बार पूर्ण परिक्रमा करता है और उसमें 11 दिन ज्यादा होते हैं। अगर हर साल इन 11 दिनों को जोड़ दिया जाए तो दो साल में 22 और तीन साल में 33 दिन हो जाते हैं। इस तरह 33 दिनों की वजह से हर दो से तीन साल में एक पूर्णिमा तिथि अतिरिक्त जुड़ जाती है। यानी 13वीं पूर्णिमा तिथि 2.5 वर्षों में दिखती है, जिससे ब्लू मून की स्थिति बनती है।

सर्किट हाउस का सच: जहां भूतों का खौफ वहां सीएम योगी ने यूं बिताई एक रात...फिर बताया सन्नाटे में क्या हुआ था

आगरा के सर्किट हाउस का सच क्या है, यह जानने के लिए लोगों की अच्छा बढ़ गई है। दरअसल यहां भूतों का खौफ है ऐसी कहानी प्रचलित थी। फिर यहां सीएम योगी ने रात बिताई और बताया कि यह मात्र एक मिथक है। सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने आगरा के सर्किट हाउस से जुड़े मिथक फिक्की के सम्मेलन में जब उजागर किए तो लोगों की रुचि सर्किट हाउस के बारे में जानने के लिए बढ़ गई। ब्रिटिशकाल में साल 1900 में बनकर तैयार हुआ आगरा का सर्किट हाउस अपने आप में रहस्यों और रोमांच की कई दास्तां को समेटे हुए है। ब्रिटिशकाल में आगरा के कमिश्नर की बेटी ने भूतों पर आधारित अपनी काल्पनिक कहानियों का उपन्यास लिखा तो उसके बाद चर्चाएं चल निकलीं। अमेरिकी पब्लिशर ने ब्रिटिश कमिश्नर की बेटी के इस उपन्यास को प्रकाशित किया था। आजादी के बाद सर्किट हाउस में भूतों से जुड़े किस्से कहानियां कम ही सुनाई दीं।

वर्ष 1899 में लॉर्ड कर्जन ने कराया था निर्माण

सिविल सोसायटी के सदस्य, वरिष्ठ पत्रकार राजीव सक्सेना के मुताबिक साल 1899 में लॉर्ड कर्जन ने सर्किट हाउस का निर्माण शुरू कराया था, जो एक साल में बनकर तैयार हुआ। साल 1900 से यहां ब्रिटिश अधिकारी और फिर आजादी के बाद संवैधानिक पदों पर तैनात रहे अधिकारी, नेता आते रहे हैं। जिस जगह पर सर्किट हाउस बना है, वह पहले पोलो का मैदान था। ब्रिटिशकाल में कोठी मीना बाजार में ही लेफ्टिनेंट गवर्नर का निवास था, लेकिन बाहर से आने वाले बड़े ब्रिटिश अधिकारियों के रुकने के लिए कोई जगह नहीं था। तब पोलो के मैदान में सर्किट हाउस बनाया गया। यहां फ्रेंच घुड़सवार सेना रहती थी, जिसे कर्नल जेम्स स्किनर ने तैयार किया था।

छत पर चढ़कर चौ. चरण सिंह ने देखा था नजारा

मुख्यमंत्री के रूप में आगरा के सर्किट हाउस में चौ. चरण सिंह से लेकर नारायण दत्त तिवारी, मुलायम सिंह, कल्याण सिंह आदि आ चुके हैं,

लेकिन चौ.चरण सिंह जब सर्किट हाउस में रुके तो सुईट नंबर एक की सभी खिड़कियों को खोलकर ही सोए। सुबह उठते ही वह टहलने के बाद इसकी छत पर चढ़ गए थे। जहां से उन्होंने हरियाली का नजारा देखा था। चार सुईट वाले इस सर्किट हाउस के पास शानदार लैंड स्केपिंग है, जो लॉर्ड कर्जन की इच्छा पर तैयार की गई थी। यह देश के सबसे प्राचीन सर्किट हाउस में से एक है।

सीएम के लिए आगरा मनहूस, टूटा मिथक

दरअसल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ देश के प्रमुख औद्योगिक संगठन फिक्की की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान उन्होंने आगरा के सर्किट हाउस का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आगरा के सर्किट हाउस में भूत का खौफ दिखाकर रुकने नहीं दिया जाता था। इस पर उन्होंने अफसरों से कहा कि वह आगरा के सर्किट हाउस में ही ठहरेंगे।

वह भूतों के साथ संवाद करेंगे। वह रात में रुके और भूतों की चहलकदमी का मिथक तोड़ा।

आत्महत्या करने वाले बर्खास्त कंडक्टर के परिवार से मिले अखिलेश यादव, बोले-भाजपाई बीमार नहीं समझदार बनें

उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में एक बर्खास्त कंडक्टर मोहित यादव ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली थी। उसके परिवार के लोगों ने सैफई जाकर सपा मुखिया अखिलेश यादव से मुलाकात की। इस पर अखिलेश ने उन्हें ढांढस बंधाया और हर संभव मदद का भरोसा दिया। उनके साथ कानूनी लड़ाई में सहयोग करने का भी आश्वासन दिया। मैनपुरी में आत्महत्या करने वाले बर्खास्त कंडक्टर के परिवार से अखिलेश यादव ने सैफई में मुलाकात की। उन्होंने कहा कि भाजपाई बीमार नहीं समझदार बनें। मोहित के मृतक के भाई रोहित, मनोज कुमार, पत्नी रिंकी, पुत्र शिवांश, मां सुषमा देवी, पिता राजेंद्र सिंह गुरुवार की सुबह सैफई पहुंचे। यहां उन्होंने सपा मुखिया अखिलेश यादव से मुलाकात करके बेटे की आत्महत्या की बात बताई। इस पर सपा मुखिया ने उन्हें सांत्वना दिया। हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इस मौके पर सपा जिलाध्यक्ष आलोक, एमएलसी मुकुल यादव, नगर पंचायत केरल के अध्यक्ष अब्दुल नईम भी साथ रहे।अखिलेश यादव ने ट्विटर (एक्स) पर मैसज लिखते हुए कहा कि, उप्र परिवहन से निलंबन के सदमे के कारण आत्महत्या करने पर मजबूर हुए स्व. मोहित यादव के परिजनों से मिलकर उनका दुख बांटा। हर हालात में उनके साथ खड़े रहने व हर तरह से मदद करने का सच्चा आश्वासन दिया। उन्होंने आगे लिखा कि, इस बारे में बस इतना और कहना है कि भाजपा के नेता, उसके कार्यकर्ता, समर्थक और मतदाता इतना बताएं कि क्या ये सब जायज़ है। इतनी घृणा दिलों में रखने से भाजपाई क्या खुद को बीमार नहीं कर रहे हैं। अगर किसी के दुख से भाजपाइयों को सुख मिल रहा है, तो ये आदत एक दिन भाजपाइयों को अपनों से भी दूर कर देगी%। भाजपाई बीमार न बनें, समझदार बनें!

चंदामामा के आंगन में जैसे खेल रहा हो..., नए वीडियो में गोल-गोल घूमता दिखा प्रज्ञान रोवर

इसरो द्वारा जारी नए वीडियो में रोवर खास अंदाज में दिख रहा है। रोवर सुरक्षित मार्ग की तलाश में गोल-गोल घूम रहा है। रोटेशन को लैंडर इमेजर कैमरे ने कैद किया है। इसरो ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि ऐसा महसूस हो रहा है मानो कोई बच्चा चंदामामा के आंगन में अठखेलियां कर रहा हो और मां प्यार से देख रही हो।चंद्रयान 3 की चांद पर सफल लैंडिंग के बाद अब प्रज्ञान रोवर और लैंडर विक्रम नई-नई तस्वीरें साझा कर रहे हैं। इस बीच आज फिर इसरो ने लैंडर द्वारा बनाई गई एक वीडियो जारी की है। जैसे चंदामामा के आंगन में अठखेलियां कर रहा हो... इस वीडियो में रोवर खास अंदाज में दिख रहा है। दरअसल, वो सुरक्षित मार्ग की तलाश में गोल गोल घूम रहा है। रोटेशन को लैंडर इमेजर कैमरे द्वारा लिया गया है। इस पर इसरो ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि ऐसा महसूस हो रहा है मानो कोई बच्चा चंदामामा के आंगन में अठखेलियां कर रहा हो और मां प्यार से देख रही हो।चांद पर सल्फर की फिर हुई पुष्टि-इससे पहले इसरो ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर विक्रम लैंडर द्वारा जारी एक और फोटो पोस्ट किया था। इसमें रोवर लेजर-प्रेरित ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोप उपकरण द्वारा चांद पर नए तत्वों को खोजते देखा जा रहा है। इसरो ने बताया कि इस उपकरण ने भी अब चांद पर सल्फर होने की पुष्टि की है। पहले भी हो चुकी पुष्टि- चांद पर सल्फर, ऑक्सीजन, टाइटेनियम, मैंगनीज, सिलिकॉन और आयरन समेत कई तत्व मिलने की पुष्टि इसरो पहले भी कर चुका है।

राजा भैया की पत्नी के खिलाफ उनकी साली ने दी तहरीर, न्यूज चैनल पर आपत्तिजनक कार्यक्रम के प्रसारण का आरोप

हजरतगंज में स्थित एक अपार्टमेंट में राजा भैया की साली रहती हैं। उन्होंने तहरीर में बताया है कि 28 अगस्त की शाम में वह एक चैनल पर न्यूज देख रही थीं। इस दौरान राजा भैया और उनकी पत्नी भानवी सिंह के तलाक के केस से संबंधित विशेष कार्यक्रम प्रसारित किया गया। विधायक रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया की साली ने बुधवार को हजरतगंज थाने में एक तहरीर दी। उन्होंने बड़ी बहन भानवी सिंह (राजा भैया की पत्नी) और एक न्यूज चैनल के पत्रकार, एंकर व वाइस चैयरमैन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कहा कि चैनल पर उनसे संबंधित आपत्तिजनक स्टोरी प्रसारित की गई, जिससे वह आहत हैं। हजरतगंज पुलिस ने आरोपों की जांच शुरू कर दी है। हजरतगंज में स्थित एक अपार्टमेंट में राजा भैया की साली रहती हैं। उन्होंने तहरीर में बताया है कि 28 अगस्त की शाम में वह एक चैनल पर न्यूज देख रही थीं। इस दौरान राजा भैया और उनकी पत्नी भानवी सिंह के तलाक के केस से संबंधित विशेष कार्यक्रम प्रसारित किया गया। इसमें संवाददाता ने उनके जीजा राजा भैया से अवैध संबंध बताए। इसके अलावा अन्य कई गंभीर और आपत्तिजनक आरोप लगाए। उनका कहना है इससे उनका चारित्रिक हनन हुआ है। इसमें उनकी बहन भानवी सिंह और न्यूज चैनल के पत्रकार, एंकर व वायस चेयरमैन की भूमिका है। उन्होंने इन सबके खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

PM मोदी ने विश्व संस्कृत दिवस की दी शुभकामनाएं, कहा- संस्कृतेन सह भारतस्य संबन्धः विशिष्टः

पीएम मोदी ने विश्व संस्कृत दिवस के मौके पर लोगों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि भारत का संस्कृत से खास रिश्ता है। उन्होंने संस्कृत में ङ्ग पर किए गए एक पोस्ट में कहा- विश्वसंस्कृतदिवसे मम शुभकामनाः। अहं सर्वान् अभिनन्दामि ये एतदर्थं भावुकाः सन्ति। संस्कृतेन सह भारतस्य संबन्धः विशिष्टः। प्रधानमंत्री ने लोगों से संस्कृत का एक वाक्य साझा करने की भी आग्रह किया।आज विश्व संस्कृत दिवस है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि भारत का संस्कृत के साथ बेहद खास रिश्ता है।पीएम मोदी ने लोगों से किया खास आग्रह- पीएम मोदी ने %एक्स% पर किए गए एक पोस्ट में कहा, मैं उन सभी की सराहना करता हूं, जो इसके बारे में भावुक हैं। भारत का संस्कृत के साथ बेहद खास रिश्ता है। प्रधानमंत्री ने लोगों से संस्कृत का एक वाक्य साझा करने का भी आग्रह किया।

दुनिया भर के लोग सीखेंगे भारत की संस्कृति

संस्कृत में किए गए एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने आगामी दिनों में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि भारत की मेजबानी में होने वाले इस सम्मेलन में दुनिया भर से लोग भारत आएंगे और यहां की महान संस्कृति के बारे में सीखेंगेपीएम मोदी ने मन की बात में किया था जिक्र-पीएम मोदी ने 27 अगस्त को रेडियो पर प्रसारित मासिक कार्यक्रम मन की बात में भी विश्व संस्कृत दिवस का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि इस बार उन्हें संस्कृत में भी बहुत पत्र मिले हैं, क्योंकि सावन मास की पूर्णिमा को इस बार विश्व संस्कृत दिवस मनाया जाएगा। संस्कृत में लोगों को लेकर बढ़ा गर्व का भाव- प्रधानमंत्री ने कहा कि आज लोगों में संस्कृत को लेकर जागरूकता और गर्व का भाव बढ़ा है। इसके पीछे बीते सालों में देश का विशेष योगदान भी हैं। उन्होंने कहा कि तीन संस्कृत डीम्स विश्वविद्यालयों को केंद्रीय विश्वविद्यालय बनाया गया है। पॉपुलर हो रहे संस्कृत केंद्र-प्रधानमंत्री ने कहा कि अलग-अलग शहरों में संस्कृत विश्वविद्यालयों के कई कॉलेज और संस्थान भी चल रहे हैं। आईआईटी और आईआईएम जैसे संस्थानों में भी संस्कृत केंद्र काफी पॉपुलर हो रहे हैं। क्यों मनाया जाता है विश्व संस्कृत दिवस?-विश्व संस्कृत दिवस हर साल 31 अगस्त को मनाया जाता है। यह दिन संस्कृत भाषा को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। संस्कृत को देववाणी यानी देवताओं की वाणी भी कहा जाता है।

संपादकीय Editorial

Checkerboard questions

For the first time, the monsoon session is waiting for the monsoon. It has to be seen which way the camel will sit in the upcoming session of Himachal Vidhansabha after the deep anguish of the disaster. If the draft of the seven meetings from 18 to 25 September could keep the level of discussion high, then it would be known how sensitive politics is in such matters. This is an opportunity to re-understand Himachal and also a chance to know non-politically how comfortable and capable we are in adverse circumstances. At least till now, amidst the cries of disaster, politics has been beating its own drums. The allegations of the opposition and the solutions of the ruling party have been clashing in some places, while in the midst of the biggest tragedy of the century, the efforts of the Sukhu government have been appreciated. In such a situation, to what extent the state is able to control itself or to what extent the politics will change in view of the relief and rescue works, it will definitely be known in the next session. For those who need to excel in the cream of power or who are in a hurry to score points in the tongue of the opposition, will this competition stop for a while. Amidst all the signs of bad times, the public is waiting for a pleasant feeling. The session of the Vidhan Sabha can mention the self-strength required to stand up. Although the demand for a special session was raised during the disaster itself, the government first calculated itself and gave importance to the process of reforming all the immediate needs. Apparently many economic junctures of the state have broken down, clouds of recession have emerged in the markets, but Himachal's own expenses are intact. In such a scenario, asking questions to the government is a different matter, but this time, on the questions of rain, the thinking will also come to the fore that those whom we elect and send to the Vidhan Sabha, how inventive they are in adverse circumstances. Will they see the flaws of the past or start a new sensitivity towards the future. The question can also be regarding the annual holidays of the schools, because the manner in which the department has been announcing them has failed miserably. If our disaster preparedness failed miserably, many models of development fell apart, so will our people's representatives be able to analyze them on their own. Here the issue is also of the rights of Himachal and the vision of the Centre.

Will the BJP pass the monsoon session defending its government at the Center or will it announce any new initiative? There is no doubt that the common man has also come to know that the rains have badly affected the state and no clear assurance has been received from the Center to bridge the loss of ten thousand crores, but even in the rains, big dams will not work. By saving the full capacity of water, the water released in the part of Himachal has wreaked havoc. The drops of sorrow that rained on Himachal in the captivity of water were not of Himachal only, then the bowls of debate cannot be vessels of alms. Who came to observe the natural devastation of Himachal?

Till yesterday in Himachal or the state which used to lift the neck of the Prime Minister's road shows before the elections, did the neck turn as soon as he lost power. After all, why did the utility of the citizens of this state become so weak during the disaster that now there is not even a single glance of the central government's priorities. In such a situation, there will be a test of honesty of politics on Himachali questions in the assembly session.

Another example of absurd opposition, in Tamil Nadu the opposition to words like Indian, Code, Justice or Evidence is ridiculous

Regarding the Hindi name of these Bills, the DMK said that efforts are being made by the Central Government to impose Hindi on us. Tamil Nadu Chief Minister MK Stalin said that giving Hindi names to these bills is linguistic imperialism. He also said this absurd thing that now Prime Minister Modi and BJP do not have the right to use the word Tamil. In the last session of the Parliament, the draft of three new bills to replace the IPC, CrPC and Evidence Act was presented in the Parliament by Union Home Minister Amit Shah. These Bills - the Indian Judicial Code, the Indian Civil Defense Code and the Indian Evidence Act have been referred to a parliamentary committee for further detailed consideration. These laws were made by the British. They underwent minor modifications over time, but basically they remained much the same as the British built them. That is why it has been said that these laws are a legacy of colonialism. No doubt, the demand of opposition leaders and legal experts is correct that the Indian Judicial Code, the Indian Civil Protection Code and the Indian Evidence Act need further deliberations, but they only demand are not doing. Some opposition leaders are also demanding that the Hindi names given to these bills should be removed. This demand is being made even after this that these bills will be made in English only. Their name must be in Hindi, but their content will be in English only. Regarding the Hindi name of these Bills, the DMK said that efforts are being made by the Central Government to impose Hindi on us. Tamil Nadu Chief Minister MK Stalin said that giving Hindi names to these bills is linguistic imperialism. He also said this absurd thing that now Prime Minister Modi and BJP do not have the right to use the word Tamil. It may be known that the Prime Minister often quotes Tamil poets in his speeches. Along with Stalin, his party's senior leader and spokesperson TKS Elangovan also made an absurd statement that the word Indian is being used instead of India in the proposed Bills because they are afraid of the word India. Other DMK leaders are also saying yes to Stalin. It is another matter that just three-four days back, an advertisement of the Stalin government was published on the front page of some Hindi dailies published from Delhi. It was in Hindi. It was written in Hindi.. 'Chief Minister's Morning Meal Scheme for the first time in India. Mr. MK Stalin will launch today..' You may also remember that in Tamil Nadu where Hindi speaking people live, during assembly elections DMK and other parties put up posters in Hindi to woo voters. Let's go In the first meeting of the parliamentary committee on the proposed three bills related to the criminal justice system, DMK MP Dayanidhi Maran raised his objection on the Hindi names of these bills. The DMK is not the only one objecting to the proposed Bills being given Hindi names. The Madras Bar Association passed a resolution on 23 August opposing the Hindi renaming of the Bills. In the resolution passed in the general body of the Madras Bar Association, it was also said that naming these Bills in Hindi is against the provisions of the Constitution. Keep in mind that on this day the lander of Chandrayaan-3 landed on the south pole of the Moon. There is hardly any media organization in the world, which has not used the word Chandrayaan. It is a matter of pride that the DMK did not object to the name of this third moon mission of ISRO as Chandrayaan-3. It is not that the DMK, which is looking for an excuse to oppose Hindi, has opposed the Hindi names of the three bills introduced in the Lok Sabha to reform the criminal justice system. Leaders of some other parties are also involved in this protest. Among them is senior Congress leader P. Chidambaram. They say that it is difficult to even pronounce these bills with Hindi names. This is the same Chidambaram, who occasionally tweets or posts in Hindi. On the same August 2, he posted in Hindi on Twitter (now X), 'How much more time will it take for the allegations made by the Supreme Court on the Manipur government to reach the PMO in Delhi and the CMO in Imphal?' Chidambaram when Home Minister in the Manmohan Singh government When he started his address in Hindi in a program on Hindi Day, he said, 'Hindi is the language of common people and it has become the language of employment.' This is also a reality and that is why South and Northeast India Many people are learning and understanding Hindi. In Tamil Nadu too, the number of people who speak and understand Hindi has increased rapidly, but the leaders there are not only eager to oppose Hindi, but also find opportunities to incite anti-Hindi sentiments. Due to this, they sometimes cross the limit of superstition. People of every language should be proud of their language, but they should also understand that by unnecessarily opposing Hindi, they are contributing to the hegemony of English. There is no justification that the leaders of Tamil Nadu are Indian, Code, Justice or Evidence. Get enraged as soon as you hear the words. They are doing this to shine their politics. Today non-Tamil speaking people are aware of many Tamil words. For example Jallikattu, which is a bull fighting sport. The leaders of Tamil Nadu should be aware that today there is no language which has not adopted words from another language.

China will not improve, India should be vocal about Tibet; Increase relations with Taiwan

The western countries are also feeling the arbitrary attitude of China very well and their opposition leaders are also raising their voice against its antics in one voice. On the contrary, the situation is different in India. Many leaders of our country put the Modi government in the dock regarding the aggressive attitude of the Chinese army, but do not utter a single word towards China. The way arrogant China, intoxicated by its economic power, is defying international rules and regulations. By showing Arunachal Pradesh as its part in its new map, China has made it clear that it has no interest in normalizing relations with India. Earlier, he has named some parts of Arunachal in Chinese language. Similarly, recently it dared to issue stapled visas to some players from Arunachal, in protest against which India stopped other players from going to China. The initiative to ban Pakistan's notorious terrorist leaders in the Council has failed. There can be no bigger example of hypocrisy than that a country calls itself an opponent of terrorism and also defends terrorist leaders. Intoxicated by its economic power, the way arrogant China is defying international rules and regulations, it is becoming a threat to the world order. Now it is not hidden from anyone that how he is exploiting the poor countries by trapping them in debt trap. The way China has included the South China Sea in its new map ignoring international laws, it is a reflection of its colonialist mindset. Western countries are also feeling China's arbitrary attitude and their pros and cons The leaders are also raising their voice against his antics in one voice. On the contrary, the situation is different in India. Many leaders of our country put the Modi government in the dock regarding the aggressive attitude of the Chinese army, but do not utter a single word towards China. Rahul Gandhi is at the forefront in this matter. He repeatedly makes false allegations that China has grabbed our land and the Prime Minister is doing nothing. It is difficult to understand why he talks to please China. Is it because the Congress and the Chinese Communist Party have made an agreement? The Congress neither explained why this agreement was made nor what was the need for the Rajiv Gandhi Foundation to collect donations from the Chinese Embassy. It is okay that India bluntly said on China's latest act that Arunachal is and will remain an integral part of us, but it will have to do something else, because China says something and does something. It cannot be overlooked how in the recent BRICS summit, China first requested for talks between its President and the Indian Prime Minister and then retracted. The time has come for India to be vocal about Tibet on the one hand, while on the other hand it should also increase relations with Taiwan.

Farmer's sons rocked

In the World Athletics Championships, Indian golden boy Neeraj Chopra started his campaign strongly, clearing a distance of 88.77 meters in his first attempt to enter the final.Indian golden boy Neeraj Chopra started his campaign in the World Athletics Championships. Starting off strongly, he cleared a distance of 88.77 meters in the very first attempt to enter the finals. It was his season's best and third career best throw in the javelin throw. Along with him, India's other javelin thrower Manu BP finished third in Group A with a second attempt best throw of 81.31m. While the third athlete, Kishore Jena, made it to the finals with a best throw of 80.55. All three Indian athletes reaching the final together is an achievement in itself. Neeraj Chopra also qualified for the Paris Olympics with this. Javelin throw has existed since ancient times. Earlier people used this technique for hunting etc. but its popularity converted it into an international sport. Today this game is popularly known as Javelin Throw. The javelin throw men's event is called decathlon, while the women's event is called heptathlon. After Neeraj Chopra became the world number one player in javelin throw in India, many youths of the country were attracted to this sport. Neeraj Chopra represented India in the Tokyo Olympics 2021 by winning the gold medal in the final of Javelin Throw. After this Neeraj never looked back. India won its first medal in athletics 121 years ago. After this Neeraj Chopra registered his name in history by winning gold medal in athletics, consider it a coincidence or something else. All the three athletes who have reached the finals of the World Championship are sons of farmers. Neeraj Chopra is the son of a rice farmer from Haryana. Kishore Jena is the son of a coffee farmer from Odisha. While Manu BP is also the son of a coffee producing farmer from Karnataka. Till now the life of Kishore Jena and Manu BP was spent in the fields. The journey of his success started only after Neeraj's achievement. Kishore Jena had resolved that if Neeraj could do it, then he too could do it. In 2017, he touched the figure of 72 metres. In September 2021, he touched 76 meters for the first time .

पार्टी नेताओं के बड़बोलेपन से कांग्रेस की फजीहत

मुरादाबाद-कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष व वर्तमान में पीसीसी सदस्य पंडित देशराज शर्मा ने सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ तहरीर दी समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के बड़बोलेपन का रोग जिले में कांग्रेस नेताओं को लग गया है। इससे जिले में लोकसभा चुनाव से पहले ही इंडिया गठबंधन में दरार दिख रही है। इससे कांग्रेस की फजीहत भी हो रही है। सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा हिंदू धर्म और देवी देवताओं के प्रति अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने से जिले में कांग्रेस के कुछ नेता बेहद आहत हैं और उन्हें कतई बख्शने के मूड में नहीं हैं। चंद दिन पहले कांग्रेस मानवाधिकार विभाग के जिलाध्यक्ष गंगाराम शर्मा ने स्वामी प्रसाद मौर्य की जीभ काटने वाले को 10 लाख रुपये इनाम देने की घोषणा दी थी। हालांकि अगले ही दिन पार्टी के जिलाध्यक्ष असलम खुर्शीद ने इस बयान को उनकी निजी राय बताते हुए पार्टी से कोई सरोकार न होने की बात कही। जिस पर गंगाराम शर्मा ने अपना बयान वापस लेने की घोषणा कर दी। मगर एक दिन बाद ही अब कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष और वर्तमान में पीसीसी सदस्य पंडित देशराज शर्मा ने सपा नेता के हिंदू धर्म विरोधी बयान को लेकर उनके खिलाफ मोर्चा खोलते हुए सिविल लाइंस थाने में प्राथमिकी दर्ज करने की तहरीर देकर मामले को तूल दे दिया है। जिससे कांग्रेस फिर असहज हो गई है। उनका कहना है कि सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्या हिंदुओं के धर्मग्रंथों, देवी देवताओं का अपमान कर रहे हैं। उनके खिलाफ कड़ी कारवाई होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद के रामचरितमानस व अन्य हिंदू धार्मिक ग्रंथ पर टिप्पणी करने से वह एक हिंदू और ब्राह्मण होने के चलते बहुत आहत और व्यथित हैं। उनके खिलाफ सिविल लाइंस थाने में कारवाई के लिए तहरीर देकर मैने हिंदू और ब्राह्मण धर्म का पालन किया है। जब उनसे सवाल किया गया कि अभी जल्द ही विपक्ष ने आगामी लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी और भाजपा को हराने के लिए इंडिया गठबंधन बनाया है। तो क्या ऐसे बयानों से सपा और कांग्रेस के रिश्ते खराब होने से इंडिया गठबंधन में दरार पड़ेगा और विपक्षी एकता खत्म होगी तो पीसीसी सदस्य ने दो टूक कहा कि हिंदू धर्म, उसके धर्मग्रंथों, देवी देवताओं का अपमान वह किसी कीमत पर सहन नहीं करेंगे। इस मामले में कांग्रेस पार्टी का क्या रुख होगा उससे फर्क नहीं पड़ता। वह हिंदू धर्म का अपमान करने वाले के खिलाफ पूरी दमदारी से लड़ेंगे चाहे कोई कीमत चुकानी पड़े। कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष अनुभव मेहरोत्रा का कहना है कि गंगाराम शर्मा ने अपना बयान वापस ले लिया था। पंडित देशराज शर्मा द्वारा सपा नेता के खिलाफ कारवाई करने के लिए तहरीर देने की जानकारी पार्टी के प्रदेश और राष्ट्रीय नेतृत्व को दी जा रही है। पार्टी लाइन के खिलाफ जाने वालों पर पार्टी नेतृत्व निर्णय लेगी।

बहनों ने भाई की कलाई पर बांधी राखी, की दीर्घायु की कामना

मुरादाबाद-भाई-बहन के अटूट प्रेम का पर्व रक्षा बंधन गुरुवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने भाई की कलाई पर राखी बांधकर भाईयों की दीर्घायु जीवन की कामना की। वहीं भाईयों ने बहनों को विभिन्न उपहार भेंट स्वरूप दिए।

रक्षा बंधन को लेकर महानगर में काफी चहल पहल देखी गई। लोग विभिन्न मंदिरों में पूजा अर्चना करते नजर आए। महानगर में बुधवार देर रात से ही राखी बांधने का सिलसिला शुरु हो गया था। बहनों ने पहले भाई की आरती उतारी और टीका लगाकर राखी बांधी।

बहनों ने अपनी प्यारी बहनों को उपहार देकर उनकी रक्षा का वचन दिया। हर उम्र के लोगों में पर्व मनाने को लेकर उत्साह देखने को मिला। छोटी बहनों ने अपनी नन्हें मुन्नें भाईयों ने को राखी बांधकर अपना प्यार साझा किया। दूसरी ओर बुजुर्ग भाई बहनों ने भी त्योहार बड़े उत्साह के साथ मनाया। उधर बाजारों में खूब रौनक देखने को मिली।

लेकिन, रेलवे और बस स्टेशन पर यात्रियों की बहुत ज्यादा भीड़ देखने को मिली। यात्रियों को बैठने की सीटों के लिए मारा मारी करनी पड़ी।

पांच लाख दो.. नहीं तो जान से हाथ धो बैठोगे, बदमाशों ने रेलवे कर्मी से मांगी रंगदारी

मुरादाबाद-सीओ कटघर डॉ. गणेश गुप्ता ने बताया कि जैतिया साहदुल्लापुर निवासी टिंकू और पप्पू के खिलाफ रंगदारी मांगने और धमकी देने का केस दर्ज कराया है। घटना की पूरी जांच करवाई जा रही है। पीड़ित परिवार सुरक्षा दी जा रही है। रेलवे कर्मचारी से फोन पर पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई है। आरोप है कि रुपये नहीं देने पर झूठे केस में फंसाने और नौकरी नहीं करने देने की धमकी भी मिल रही है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मूलरूप से कटघर के जैतिया सादुल्लापुर निवासी मित्रपाल सिंह ने बताया कि वह रेलवे में ट्रेन मैनेजर के पद पर तैनात हैं। वर्तमान में उनकी ड्यूटी मुरादाबाद रेल मंडल में चल रही है। वह परिवार के साथ मझोला के खुशहालपुर बैंक कॉलोनी में रहते हैं। उन्होंने बताया कि 21 अगस्त को उनके पास गांव के ही ब्रजकिशोर का फोन आया। उसने बताया कि टिंकू और पप्पू उसके पास आए थे। उन्होंने ब्रजकिशोर से कहा कि ट्रेन मैनेजर मित्रपाल से पांच लाख रुपये की रंगदारी लेनी है। इसके बाद तीन बार ब्रजकिशोर ने कॉल कर इसकी जानकारी उसे दी। जिसकी ऑडियो रिकार्डिंग मोबाइल में सुरक्षित है। पप्पू को पांच लाख रुपये दे दें, वह बार-बार फोन कर कह रहा है कि रकम नहीं मिली तो हम उसे नौकरी नहीं करने देंगे और झूठा मुकदमा लिखवाकर या खुद को गोली मारकर या चोट पहुंचाकर मित्रपाल को फंसा देंगे। उसे नौकरी करना भूला देंगे। आरोपियों ने यह भी धमकी दी कि पुलिस हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकती है। हमारे खिलाफ पहले ही केस दर्ज हैं एक दो केस और हो जाएंगे तो क्या असर पड़ेगा। धमकियां मिलने के बाद पीड़ित बहुत डरा है। उसने इस मामले की शिकायत कटघर थाने में की लेकिन पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया। तब पीड़ित ने एसएसपी कार्यालय में प्रार्थना पत्र दिया। सीओ कटघर डॉ. गणेश गुप्ता ने बताया कि जैतिया साहदुल्लापुर निवासी टिंकू और पप्पू के खिलाफ रंगदारी मांगने और धमकी देने का केस दर्ज कराया है।

पहले सुगम्य पुस्तकालय में अध्ययन करेंगे दिव्यांग

मुरादाबाद-महानगर के दांग स्कूल में तैयार हो रहा पुस्तकालय, ब्रेल लिपि की किताबें रहेंगी, एक साथ 20 पढ़ सकेंगे दिव्यांग जल्द ही पहले सुगम्य पुस्तकालय में पढ़कर अपना भविष्य संवार सकेंगे। महानगर के दांग स्कूल में यह पुस्तकालय बन रहा है। इसमें ब्रेल लिपि की किताबें उपलब्ध रहेंगी। जिसका निशुल्क उपयोग वह पढ़ाई में सहूलियत के लिए कर पाएंगे। मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह और मुख्य विकास अधिकारी सुमित यादव की पहल पर पुस्तकालय का निर्माण शुरू है। हाल बनकर तैयार हो चुका है। इसमें ब्रेल लिपि की किताबों का भंडारण अलग-अलग रैक में रहेगा। उनके सहयोग के लिए यहां विशेष अध्यापक की तैनाती रहेगी। जो पढ़ाई में मार्गदर्शन देंगे। यह मंडल के पांचों जिलों में अपनी तरह का पहला पुस्तकालय होगा जो केवल दिव्यांगों के लिए बन रही है।पुस्तकालय में एक साथ 20 दिव्यांग बैठकर पढ़ाई कर सकेंगे। उन्हें पाठ्यक्रम के अलावा अन्य उपयोगी पुस्तकें यहां पढ़ने को मिलेंगी। इस पुस्तकालय में दिव्यांगों के लिए मूलभूत सुविधाएं जैसे बैठने के लिए आरामदायक कुर्सियां, मेज, शौचालय और पुस्तकालय तक पहुंचने के लिए रैंप भी बनाया जा रहा है। जिससे अस्थि दिव्यांग भी यहां आसानी से पहुंच कर अपने भविष्य को रोशन कर सके। देहरादून और दिल्ली से मंगाई गई हैं किताबें-सुगम्य पुस्तकालय में दिव्यांगों को ब्रेल लिपि की जो किताबें पढ़ने के लिए मिलेंगी उसे देहरादून और दिल्ली से मंगाई गई है। इन किताबों से दिव्यांगों को बेहतर मार्गदर्शन मिलेगा। आडियो बुक से श्रवण बाधित दिव्यांग लेंगे ज्ञान- जो दिव्यांग सुनने में अक्षम होंगे उनके लिए आडियो बुक पुस्तकालय में रहेगा। साथ ही दृष्टि बाधित और श्रवण बाधित दिव्यांगों को भी लाइब्रेरी में पेंटिंग आदि करने के लिए अवसर मिलेगा। इसके लिए अलग से कंप्यूटर लगा है।पुस्तकालय में दिव्यांगों के लिए ब्रेल लिपि की किताबें रहेंगी। इसके अलावा मूलभूत सुविधाएं भी मिलेंगी। इसमें एक साल 20 दिव्यांग पढ़ाई कर सकेंगे। यह पुस्तकालय निशुल्क है। इस पुस्तकालय का बहुत जल्द उद्घाटन होगा। -बुद्धप्रिय सिंह, एडी बेसिक शिक्षा मंडलायुक्त, जिलाधिकारी की प्रेरणा से दांग स्कूल में सुगम्य पुस्तकालय दिव्यांगों के लिए बनकर लगभग तैयार है। अगले सप्ताह इसका उद्घाटन होने की उम्मीद है। इस पुस्तकालय में दिल्ली और देहरादून से मंगाई गई ब्रेललिपि की किताबों के अलावा 2 लाख रुपये के कंप्यूटर से आडियो बुक का भी प्रबंध है। -सुमित यादव, मुख्य विकास अधिकारी

मुरादाबाद की शिल्पी ने पूरा किया पिता का सपना, दूसरे प्रयास में पाई सफलता

मुरादाबाद-पीसीएसजे में चयन होने के बाद शिल्पी ने बताया कि पिता का सपना था कि मैं न्यायिक सेवा में जाऊं। उनके पिता चंदौसी के वरिष्ठ क्रिमिनल लॉयर थे। मेहनत के साथ दूसरे प्रयास में यह सफलता मिली। मूलरूप से चंदौसी निवासी डॉ. शिल्पी गुप्ता ने पीसीएस जे में 144रैंक प्राप्त की है। वर्ष 2014 से आईएफटीएम में पढ़ा रही हैं। वह विवि परिसर रहतीं हैं। डॉ. शिल्पी आईएफटीएम में विधि विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। उन्होंने बताया कि परिवार में भाई धीरज प्रकाश गुप्ता, भाभी प्रगति वार्ष्णेय, बहन शिखा गुप्ता हैं। कहतीं है कि मेरे पिता वेद प्रकाश गुप्ता का सपना था कि मैं न्यायिक सेवा में जाऊं। मेरे पिताजी चंदौसी के वरिष्ठ क्रिमिनल लॉयर थे। यह मेरा दूसरा प्रयास था। इससे पहले वर्ष 2018 में में साक्षात्कार तक पहुंची थी। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को पढ़ाते हुए मैंने स्वाध्याय किया। वर्ष 2010 में पिता और माता कमला गुप्ता का निधन हुआ था। इसके बाद भाई, भाभी और बहन ने हर कदम पर प्रोत्साहित किया। अब मेरा सपना है कि पीड़ितों को त्वरित न्याय दिला पाऊं। स्कूल में बनवाई नक्षत्रशाला, अब सीएम देंगे सम्मान शहर निवासी बेसिक शिक्षा विभाग की शिक्षिका सरिता देवी का चयन राज्य शिक्षक पुरस्कार के लिए किया गया है। उन्हें सीएम योगी आदित्यनाथ सम्मानित करेंगे। सरिता कंपोजिट विद्यालय लोधीपुर राजपूत में सहायक अध्यापिका हैं। उन्हें 2020 में इस विद्यालय में तैनाती मिली थी।तब इस विद्यालय में 260 विद्यार्थी थे, अब संख्या 320 है। उन्होंने विद्यालय में नक्षत्रशाला स्थापित कराई। सरिता ने बताया कि उन्होंने ग्राम प्रधान, समाज सेवी संस्थाओं को अपने साथ जोड़ा। बच्चों के बौद्धिक स्तर को देखकर सभी मदद करने को तैयार हो गए। अपनी आय का एक हिस्सा भी खर्च किया। इसके जरिये स्कूल में 10 लाख रुपये से जीर्णोद्धार कार्य हुआ। स्कूल में नक्षत्रशाला स्थापित की गई। बच्चों के अलावा इसे ग्रामीणों के लिए भी खोला गया। यहां विद्यार्थियों को ग्रह, नक्षत्रों व खगोल पिंडों का अध्ययन करने का अनुभव हुआ। शिक्षिका के मुताबिक जिले के किसी अन्य सरकारी विद्यालय में ऐसी नक्षत्रशाला नहीं है। इसके अलावा बच्चों को अंग्रेजी में वाक कौशल सिखाया जा रहा है। इन सब कार्यों के आधार पर सरिता ने राज्य शिक्षक पुरस्कार के लिए आवेदन किया था, स्वीकार कर लिया गया।

जेल में बंद भाइयों को राखी बांधने पहुंची बहनें, एक-दूसरे का हाल पूछा तो छलके आंसू

मुरादाबाद-मुरादाबाद जेल परिसर में राखी बांधने आई महिलाओं के लिए खास इंतजाम किए गए थे। इसके लिए अतिरिक्त कर्मियों को तैनात किया गया था। जेल में बंद भाइयों को राखी बांधने के दौरान कई महिलाओं के आंसू छलक पड़े। मुरादाबाद के जिला कारागार में रक्षाबंधन के पर्व पर बहनें अपने भाइयों को राखी बांधने के लिए पहुंची। सुबह से ही बड़ी संख्या में बहनें जेल परिसर में पहुंचने लगी थी। जेल प्रबंधन की ओर से राखी और मिठाइयों का प्रबंध किया गया। उनके बैठने और अन्य सुविधाओं के लिए अतिरिक्त कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी। मुरादाबाद जेल में सुबह से ही भारी भीड़ नजर आ रही थी।

बड़ी संख्या में पहुंची बहनों ने अपने भाई की कलाई पर राखी बांधी। इस दौरान जेल परिसर के आसपास सुरक्षा के तगड़े इंतजाम रहे। तलाशी के बाद ही लोगों को आने-जाने दिया गया। जेल अफसरों के मुताबिक मुहूर्त देखते हुए बहनों को पर्व मनाने का मौका दिया गया। सलाखों के पीछे कैद भाइयों के लिए आज का दिन खास रहा। बहनें आज उनकी कलाई पर राखी बांधने पहुंचीं। मुरादाबाद, रामपुर, अमरोहा, संभल, बरेली समेत दूरदराज इलाकों से पहुंची महिलाओं ने भाई की कलाई पर राखी बांधी। कई भाई-बहनों की मुलाकात महीनों बाद हो रही थी। अपने भाई का हाल देख तमाम बहनों की आंखें में आंसू आ गए। दोनों ने एक-दूसरे का हाल-चाल पूछा।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

संस्थागत प्रसव न होने की बजह से अपंजीकृत व घरेलू प्रसव हावी

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- जिले में हो रहे अपंजीकृत और घरेलू प्रसव संस्थागत प्रसव बढ़ाने के गणित को बिगाड़ रहे हैं। जबकि संस्थागत प्रसव केंद्र पर नर्सिंग होम पर सेटिंग्स की बजह से संस्थागत प्रसव कम होने लगे हैं, संस्थागत प्रसव पर आए दिन स्वास्थ्य अधिकारियों को जिला, मंडल स्तर पर अधिकारियों के कोप का भाजक बनना पड़ रहा है। नोडल अधिकारी एसीएमओ डॉ. सुधीर मोहन ने बताया कि जून में 3031 संस्थागत प्रसव का लक्ष्य निर्धारित किया गया, जिसमें से जिले में 3096 प्रसव हुए हैं। इसमें से 1971 संस्थागत प्रसव हुए हैं जबकि 693 प्राइवेट नर्सिंगहोम, मैटरनिटी होम में कराए गए हैं। साथ ही 231 अपंजीकृत और 201 घरेलू प्रसव कराए गए। इसी प्रकार जुलाई में संभावित प्रसव लक्ष्य 3445 निर्धारित किया गया। उसके सापेक्ष जिले में 3711 प्रसव कराए गए। उसमें संस्थागत प्रसव 2363, प्राइवेट अस्पतालों में 892, अपंजीकृत में 222 और घरेलू प्रसव 231 कराए गए हैं, नोडल अधिकारी का मानना है कि यदि अपंजीकृत और घरेलू प्रसव होना रुक जाये। उससे संस्थागत प्रसव बढ़ने की पूरी संभावना है, जिसके लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। तीन में से दो फर्स्ट रेफरल यूनिट पर हो रहे ऑपरेशन एटा। नोडल अधिकारी ने बताया कि तीन फर्स्ट रेफरल यूनिट में से दो पर ही एनेस्थेटिक और सर्जन मौजूद। जहां गर्भवती के ऑपरेशन किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जलेसर, एमसीएच विंग में ही ऑपरेशन करने की सुविधा है। जहां पर प्रतिमाह आठ से दस गर्भवती के ऑपरेशन करने का कार्य किया जा रहा है। स्त्री-प्रसूति रोग चिकित्सक न होने से ऑपरशेन नहीं हो पा रहे हैं।

लिमरा इंटरनेशनल स्कूल एटा में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण से प्राप्त एक्शन प्लान के अन्तर्गत तथा माननीय अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण / जनपद न्यायाधीश, एटा के निर्देशानुसार दिनांक 29-08-2023 को श्री कमालुद्दीन अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश / सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एटा के तत्वावधान में लिमरा इंटरनेशनल स्कूल, एटा में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उपस्थित छात्र छात्राओं को शिक्षा के अधिकारों के संबंध विस्तृत जानकारी प्रदान करायी गयी साथ यह भी अवगत कराया गया कि यदि किसी छात्र के साथ किसी भी प्रकार की हिंसा होती है तो अपनी समस्या के संबंध में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, एटा से विधिक जारकारी प्राप्त कर सकते है। इसी क्रम में सुश्री जागृति चतुर्वेदी प्रबन्धक वनस्टाप सेन्टर एटा, द्वारा उपस्थि छात्र छात्रों को महिलाओं के हित संरक्षण एवं उन पर होने वाली घरेलू हिंसा से बचाव व उनके अधिकार तथा महिला हेल्प लाईन न0-181 के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान करायी गई। इस अवसर सुश्री जागृति चतुर्वेदी प्रबन्धक वनस्टाप सेन्टर एटा, श्री योगेश कुमार सक्सैना एड0/ मीडियेटर एवं प्रधानाचार्या, लिमरा इंटरनेशनल स्कूल, एटा एवं अध्यापिकाएँ, छात्राएँ एंव कर्मचारीगण आदि उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी/कर्मचारीगण को दी गयी भावभीनी विदाई

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-वरिष्ठ अधिकारियों ने सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी/कर्मचारीगण को दी गयी भावभीनी विदाई। आज दिनांक - 31-08-2023 को पुलिस विभाग में निरन्तर सेवा प्रदान करते हुये अपनी अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने वाले पुलिसकर्मियों को अपर पुलिस अधीक्षक अपराध श्री विनोद कुमार पाण्डेय द्वारा भावभीनी विदाई दी गयी। इस अवसर पर सेवानिवृत्त होने वाले पुलिस विभाग के कर्मचारीगण से उनका परिचय प्राप्त करते हुये कर्मियों से उनके सेवाकाल के अनुभव के विषय में जानकारी की गयी।

विदाई समारोह में शॉल व माला पहनाकर एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर उनके सुखद एवं स्वस्थ्य जीवन की कामना की गयी। सेवानिवृत्त होने वाले पुलिसकर्मियों से भविष्य में किसी भी समस्या, शिकायत अथवा सहायता के लिए नि:संकोच होकर अपनी बात रखने के लिए बताया गया।

गर्भवती को अस्पताल लाने और छोड़ने के लिए एंबुलेंस काम नहीं कर रहीं

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- ब्लॉक मारहरा के गांव पिदौरा से दिव्यांग गर्भवती को प्रसव को लाने के लिए आशा, पति ने कईबार एंबुलेंस को कॉल किया। एंबुलेंस के न पहुंचने पर दिव्यांग पति टेंपो से गर्भवती पत्नी को लेकर एमसीएच विंग पहुंचा। एमसीएच विंग टेंपो से पहुंचे पिदौरा निवासी दिव्यांग हर्षवर्धन ने बताया कि सुबह से उसकी दिव्यांग गर्भवती पत्नी रूपवती को प्रसव पीड़ा शुरू हो गई, जिसकी सूचना उसने गांव की आशा शबीन बानो को दी। सूचना पर आशा घर पहुंच गई। घर से ही उसने 102 एंबुलेंस को बुलाने के लिए कॉल किया। कॉल रिसीव हुआ और जल्द पहुंचने की बात कही गई। इसके बार आशा ने दो बार और पति ने भी दो-तीन बार एंबुलेंस के लिए कॉल किया। जिस पर उनको बताया गया कि ब्लॉक मारहरा क्षेत्र की एंबुलेंस व्यस्त है। जलेसर से एंबुलेंस भेजी जा रही है। पहुंचने में समय लगेगा, जिसके बाद आशा और पति दिव्यांग गर्भवती को टेंपो से लेकर मेडिकल कालेज की एमसीएच विंग में पहुंचे। जहां पर प्रसव पीड़ा से परेशान गर्भवती को भर्ती कराया जा सका। दिव्यांग हर्षवर्धन ने बताया कि गांव से एटा आने का टेम्पों ने पांच सौ रुपये किराया लिया है। जनपद में डिलीवरी की संख्या बढ़ रही है। ऐसे में थोड़ी बहुत समस्या होना स्वभाविक है। पिदौरा की दिव्यांग गर्भवती को एंबुलेंस न मिलने का मामला संज्ञान में नहीं है। ऐसा हुआ तब उसकी जांच करायी जाएगी।- डॉ. उमेश कुमार त्रिपाठी, सीएमओ, एटा।

तीन शातिर अपराधियों पर थाना कोतवाली देहात द्वारा एन.एस.ए (रासुका) किया गया तामील

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- अंतर्राज्यीय गिरोह के डकैती/गौ-तस्करी/गौकशी करने वाले तीन शातिर अपराधियों पर थाना कोतवाली देहात द्वारा एन.एस.ए (रासुका) किया गया तामील ।विवरण- थाना कोतवाली देहात क्षेत्रांतर्गत ग्राम पवास में दिनांक 01/02.05.2023 को तथा ग्राम लखमीपुर में दिनांक 02/03.05.2022 को गोकशी की दो घटना हुई थी जिसमें तत्समय थाना स्थानीय पर क्रमशः मुअस-201/2023 धार 3/5/8 उत्तर प्रदेश गोवध अधिनियम व 11 पशु क्रूरता निवारण अधिनियम एवं मुअस- 202/2023 धार 395, 397 भादवि 3/5/8 उत्तर प्रदेश गोवध अधिनियम पंजीकृत कर दोनों अभियोगों में प्रकाश में आए कुल 17 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। आज दिनांक 30.08.2023 को जिला कारागार एटा में निरुद्ध 03 अभियुक्तों के विरुद्ध एन.एस.ए (रासुका) के तहत कार्यवाही की गई है। जिनका विवरण निम्नवत है।

1. मोहम्मद आसिफ पुत्र युसूफ उर्फ पनवा मोहल्ला कोटला मेवातियान कस्बा व थाना कोतवाली हापुड़ जनपद हापुड़। 2. अंसार पुत्र अनवार निवासी ग्राम मोर्चा थाना राजा का रामपुर जनपद एटा। 3. मोहसिन पुत्र अब्दुल हकीम निवासी मोहल्ला कोटपूर्वी कुरेशियान शेल्टर हाउस कस्बा व थाना हसनपुर, जनपद अमरोहा। हालपता सुभाष मोहल्ला मोचपुर, दिल्ली। जिला कारागार में निरुद्ध उपरोक्त अभियुक्तों को नोटिस तामील कराकर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

श्रावणी पूर्णिमा रक्षाबंधन के अवसर पर करणी सेना ने की भव्य खारुन गंगा महाआरती

प्रवीण शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

रायपुर छत्तीसगढ़ - महादेव घाट रायपुर करणी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं छ.ग. प्रदेश अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र सिंह तोमर के नेतृत्व में करणी सेना एवं माँ खारुन गंगा महाआरती महादेव घाट जनसेवा समिति द्वारा आयोजित 卐खारुन गंगा महाआरती卐 निरंतर क्रम में श्रावण मास की पूर्णिमा के अवसर पर 10वीं बार गरिमामय रूप से संपन्न हुई।

कार्यक्रम का आगाज़ समुधुर भजनों की सुरम्य प्रस्तुति से हुआ जिनकी स्वर लहरियों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। आयोजन में मुख्य अतिथि एवं यजमान के रूप में दूधाधारी मठ के महंत एवं कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त आचार्य रामसुंदर दास जी की उपस्थिति रही। आरती के पूर्व समस्त आगंतुकों ने एक साथ एक स्वर में भारत की सभी नदियों के प्रति कृतज्ञ रहने एवं उन्हें स्वच्छ रखने की सामूहिक शपथ ली। आरती बनारस की तर्ज पर रायपुर के प्रशिक्षित ब्राह्मणों द्वारा संपूर्ण विधि-विधान से संपन्न हुई। आरती में अगरबत्ती, धूप, दीपक द्वारा माँ खारुन गंगा मैया एवं बाबा हटकेश्वर महादेव का पूजन किया गया। आगंतुक श्रद्धालुओं को दीप वितरित किये गए जिन्हें आरती पश्चात् नदी में प्रवाहित किया गया। इस बार की आरती में प्रमुख रूप से माताओं-बहनों ने रक्षाबंधन के अवसर पर अपने भाइयों की सुरक्षा हेतु हटकेश्वर महादेव से प्रार्थना की। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं को खीर प्रसादी का वितरण किया गया। इस आरती में पूर्व महीनों में विधायक श्री प्रमोद शर्मा, श्री ईशान वैष्णव, राघव महाराज, शंकराचार्य पीठ रायपुर के प्रमुख डॉ. इंदुभवानंद ब्रह्मचारी, विधायक श्री विकास उपाध्याय, आई एन एच न्यूज़ के बिज़नेस हेड श्री नीलेश द्विवेदी, सुप्रसिद्ध गायक श्री दिलीप षड़ंगी, क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राज शेखावत, सद्गुरु श्री रितेश्वर जी महाराज आदि प्रमुख यजमान के रूप में उपस्थित रह चुके हैं। श्री तोमर के अनुसार यह आरती पुण्य फल प्रदायिनी है साथ ही यह नागरिकों को नदी की स्वच्छता एवं पवित्रता के प्रति जागरूक भी कर रही है। प्रति माह यह आरती विशाल से विशालतम स्वरूप लेती जा रही है और हज़ारों की संख्या में आगंतुक श्रद्धालु इस आरती का लाभ ले रहे हैं। साथ ही इस महाआरती से प्रभावित होकर देशभर में अन्य स्थानों पर भी लोक नदियों के पूजन का आयोजन किया जा रहा है। इस आरती के माध्यम से सनातनी श्रद्धालुओं का बड़ी संख्या में एकत्रीकरण भी हो रहा है।

समाजवादी पार्टी का नारा है खाली प्लॉट हमारा है...

अखिलेश यादव पर बरसे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक

मऊ जिले की घोसी विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए जुबानी जंग तेज हो चुकी है। गुरुवार को प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने घोसी क्षेत्र में चुनाव प्रचार किया। इस दौरान समाजवादी पार्टी पर जमकर हमला बोला।घोसी विधानसभा सीट का उपचुनाव बड़े दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गया है। सत्तारूढ़ और विपक्ष दोनों ने ही चुनाव जीतने की जोर आजमाइश कर रखी है। गुरुवार को प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने घोसी क्षेत्र में चुनाव प्रचार किया। इस दौरान दोनों ने समाजवादी पार्टी को निशाने पर रखा। कोपागंज में मीडिया से बात करते हुए डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी सदैव दलितों का शोषण करती है। उन्होंने कहा कि पहले गुंडाराज था। प्रदेश में माफिया राज करते थे। लेकिन भाजपा सरकार में माफिया कांप रहे हैं। सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि हत्या, लूट, डकैती, दुष्कर्म, प्लॉट और दुकान पर कब्जा करना उनके शासन काल की पहचान थी। कहा कि तब लोग कहने लगे थे कि समाजवादी पार्टी का नारा है, खाली प्लॉट हमारा है। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी को जिताने की अपील की। दलित महापुरुषों का अपमान करती है सपा -कोपागंज स्थित बीएसएस कॉलेज में आयोजित सामाजिक समरसता सम्मेलन में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि सपा दलित हित नहीं बल्कि वोटों की राजनीति करना जानती है। सपा ने सदैव दलित समाज का अपमान किया है। उनके नेताओं को दलितों से नहीं सिर्फ उनके वोटों से मतलब है। सपा दलित महापुरुषों का भी अपमान करती है। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों के लिए काम किया। उनके जीवन से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। भाजपा ने उनकी जन्मस्थली को तीर्थ स्थल घोषित किया एवं तमाम अन्य योजनाएं भी शुरू कीं। कार्यक्रम को कैबिनेट मंत्री सूर्यप्रताप शाही, नगरीय विकास मंत्री एके शर्मा और जिला पंचायत अध्यक्ष मनोज राय ने भी संबोधित किया।सपा के राज में केवल सैफई का हुआ विकास- केशव प्रसाद मौर्या -घोसी के मानिकपुर हड़हुआ स्थित एक हॉल में सामाजिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सपा के राज में मात्र सैफई परिवार का विकास हुआ।

जलाली में किशोरी से की छेड़छाड़, रिपोर्ट

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ अकराबाद - थाना क्षेत्र के जलाली पुलिस चौकी अंतर्गत एक गांव में खेत में शौच को गई नाबालिग किशोरी से गांव के ही एक लड़के ने छेड़छाड़ कर तथा विरोध करने पर मारपीट की। पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने मुख्य आरोपी सहित नौ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है। पीड़िता के पिता ने तहरीर में बताया कि उसकी 14 वर्षीया बेटी सुबह समय लगभग छ बजे खेत में शौच करने गई थी। वहां गांव का ही एक युवक पहुंच गया उसने उसकी बेटी को पकड़ लिया और छेड़छाड़ करने लगा विरोध करने पर उसके साथ मारपीट कर दी।

चलती बाइक में आग लगने से फैली सनसनी बाल बाल बचा परिवार

क्यूँ न लिखूँ सच
लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ अकराबाद - कोतवाली क्षेत्र में पनेठी गंगीरी रोड पर पिलखना चौराहे के निकट चलती बाइक में अचानक आग लग गई। की दोपहर लीगढ़ के थाना गांधी पार्क के नगला मानसिंह निवासी सुनील कुमार अपनी भाभी ममता देवी दस वर्षीय भतीते भारत के साथ गंगीरी के गांव तेहरा राखी लेकर जा रहे थे। उनकी बाइक जैसे ही पिलखना पुलिस चौकी से करीब आधा किलोमीटर दूर पहुंची तभी अचानक बाइक से आग की लपटें उठने लगी। इसी बीच उसने जैसे तैसे बाइक को दूर धकेलकर भाभी व भतीते को अलग किया।इस प्रयास में सुनील कुमार के हाथ झूलस गए। हादसा होते ही सड़क पर दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गई। जानकारी पर निकट पिलखना चौकी से पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घायल सुनील को उपचार के लिए अस्पताल भेजकर परिजनों को घटना की जानकारी दे दी है।

महेश बघेल बने यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय सचिव

क्यूँ न लिखूँ सच
लवकुश ठाकुर

अकराबाद -पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह द्वारा अकराबाद के गांव मिश्रीपुर दभा निवासी महेश बघेल को यूथ बिग्रेड का राष्ट्रीय सचिव मनोनीत किया है। महेश बघेल पूर्व विधायक ठा. राकेश सिंह के अति करीबी माने जाते है।

धूमधाम से मनाया भाई-बहन के स्नेह का रक्षाबंधन

क्यूँ न लिखूँ सच
लवकुश ठाकुर

भोपाल- भाई-बहन के स्नेह का पर्व रक्षाबंधन परंपरागत तरीके से मनाया गया बहनों ने भाइयों के माथे का तिलक और मिठाई खिलाकर अपने भाइयों की उम्र दराज की कामना की भाइयों ने बहनों के पैर छूकर बहनों की रक्षा हेतु वचन दिया रक्षाबंधन का सुबह 7 बजे से मुहूर्त शुरू होते ही बहन सुबह जल्दी उठकर तैयारियों में जुट गई मिठाई, कपड़े और उपहार की खरीदारी के लिए रेलवे रोड, सराफा बाजार, रामघाट रोड, सेंटर प्वाइंट सहित अन्य बाजारों में देर रात तक चहल-पहल रही वैसे तो लोग पर्व से 1 दिन पहले दिन पहले ही घर चले गए थे और जो रह गए थे

सुबह बहनों से तिलक कराने के लिए बहनों के घर पहुंचे ट्रेनों में सीट के लिए मारामारी, बसों में भी उमड़ी भीड़ देखने को मिली भाइयों को टीका करती हैं बहने भैया रक्षाबंधन पर मिठाई के साथ बहनें अपने भाइयों को टीका कर भेंट करती है जो बहने किसी कारणवश भाइयों के पास नहीं पहुंच पाती है, वे टीका कर अपने पास रख लेती है और बाद में भाइयों को भेंट करती है इसके चलते और की दुकानों पर घेवर खरीदने वालों की भीड़ रही 7 दूरदराज जाने वाली बहनों में पहले ही मिठाई की खरीदारी कर ली भाइयों ने भी बहनों को उपहार स्वरूप दी जाने वाले परिधानों की खरीदारी की

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच

अपना प्रदेश

www.knlslive.com

01 September 2023

शाहजहांपुर रेलवे स्टेशन से बच्ची चुराकर भागा युवक, लोगों ने पीछा किया तो पटककर मार डाला

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। बुधवार रात रेलवे स्टेशन के बाहर मां के साथ रही मासूम बच्ची को चुराकर एक युवक भागने लगा। बच्ची को लेकर युवक को भागता देख वहां मौजूद लोगों ने उसका पीछा किया। शाहजहांपुर रेलवे स्टेशन के बाहर दंपती अपनी बच्ची के साथ सो रहे थे।

इसी दौरान एक युवक उनकी बच्ची को उठाकर भागने लगा। दंपती ने शोर मचाया तो लोगों ने युवक का पीछा किया। लोगों को पीछा करता देख युवक ने बच्ची को जमीन पर पटक दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। भीड़ को अपने पीछे देखकर सनकी युवक ने मासूम बच्ची को जमीन पर पटक दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना से आक्रोशित भीड़ ने आरोपी युवक की पिटाई कर दी। मौके पर पहुंची जीआरपी ने उसे हिरासत में ले लिया। रेलवे स्टेशन के बाहर सो रहे थे दंपती – जानकारी के मुताबिक हरदोई के पिहानी निवासी अशोक और उसकी पत्नी वैशाली रेलवे स्टेशन पर रहते हैं।

बुधवार रात रेलवे परिसर के बाहर अपनी बच्ची के साथ दंपती सो रहे थे। इसी दौरान एक युवक उनकी आठ माह की बेटी प्रीति को उठाकर भागने लगा। बच्ची की मां शोर मचाते हुए पीछा किया आहट होने पर वैशाली जाग गई। उसने शोर मचाते हुए उसे दौड़ा लिया। इस पर वहां मौजूद लोग आरोपी को पकड़ने के लिए दौड़े। भीड़ को पीछे आता देखकर युवक ने बच्ची को पटक दिया। सिर के बल गिरने से वह घायल हो गई। उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां उसे मृत्यु घोषित कर दिया गया।

घटना के बाद आरोपी युवक को लोगों ने पकड़ लिया और जमकर पिटाई कर दी। इसके बाद उसे रेलवे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस उसे मानसिक बीमार बता रही है। इधर, बच्ची की मौत से मां का रो-रोकर बुरा हाल है। बच्ची की मां ने बताया कि वह लेटी हुई थी, तभी आरोपी युवक बच्ची को उठाकर भागने लगा। पीछा करने पर उसने बच्ची के पैर पकड़कर जमीन पर पटक दिया था। इस घटना से मौके पर मौजूद लोग स्तब्ध रह गए थे।

प्रचार वाहन से राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु किया जागरूक

क्यूं न लिखूं सच
अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती- राष्ट्रीय लोक अदालत 9 सितंबर 2023 के व्यापक प्रचार, प्रसार हेतु एक वैन उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ द्वारा श्रावस्ती जनपद के विभिन्न क्षेत्रों के अंतर्गत भिनगा तथा इकौना तहसील के विभिन्न क्षेत्रों में प्रचार प्रसार हेतु माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रावस्ती, उमेश कुमार-।। अपर जिला जज श्रावस्ती/नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत, अजय सिंह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रावस्ती/अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अन्य न्यायिक अधिकारीगण की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर नवीन दीवानी न्यायालय परिसर से रवाना किया गया, जो भिनगा तहसील से निकलकर सिरसिया, बेचईपुरवा, जोखनिया, जोखवा, लक्ष्मणपुर, बन्ठिहिवा, भुजंगा, मंगलभट्टा, दहाना तिराहा, तहसील तिराहा, ईदगाह तिराहा, अस्पताल तिराहा, खलवा बाजार, भिनगा, सेमरी चौराहा, इकौना तहसील, के क्षेत्रों के लोगों को जागरूक किया गया कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर 9 सितंबर 23 की सुबह 10 बजे से लगने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने मामले सुलह, समझौता के आधार पर निपटाकर आप लोग लोक अदालत को सफल बनाएं। इस दौरान अपर जिला जज सुदामा प्रसाद, गौरव द्विवेदी सिविल जज जूनियर डिवीजन, असगर अली जेएम, तथा भिनगा तहसील में उपजिलाधिकारी पीयूष जायसवाल तथा इकौना तहसील में नायब तहसीलदार राघवेन्द्र पाण्डेय भी उपस्थित रहे, एवं सभी कर्मचारी दीवानी कचहरी, श्रावस्ती और अशोक कुमार शर्मा पैनेल लॉयर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रावस्ती वैन के साथ जिन्होंने भिनगा व इकौना तहसील के क्षेत्रों का भ्रमण कर लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत 9 सितंबर 2023 के बारे में पम्पलेट वितरण कर जानकारी इस संबंध में प्रदान की।

विद्यालय में लटक रहा ताला

क्यूं न लिखूं सच-मानस मिश्रा

कैथानी- बताते चलें कि उक्त खबर चितरंगी विकासखंड अंतर्गत लमसरई संकुल केंद्र अंतर्गत शासकीय प्राथमिक पाठशाला कैथानी का है जहा पर आज दिनांक 31/08/2023 को समय 12 बज कर 02 पीएम पर बंद मिली बच्चे विद्यालय आकार लौट गए एक तरफ माननीय मुख्यमंत्री जी का कहना है कि बच्चों के लिए अच्छी सुविधा और गुणवक्ता पूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराया जा रहा है लेकिन उन्ही के शिक्षक विद्यालय को बिना छुट्टी बंद कर दिया गया बच्चे परेशान होकर घर वापस लौट गए स्थानीय लोगों का कहना है कि इसके पहले भी मास्टर साहब द्वारा कई बार ऐसे ही कर दिया जाता है जिसकी जानकारी बच्चों को नही रहती विद्यालय कभी भी समय से नहीं खोला जाता है जिसकी जानकारी अधिकारियों को देते है उसके बाद भी आज दिनांक तक कोई कार्यवाही नहीं की जाती है देखना यह होगा कि जिला शिक्षा अधिकारी इसको अपने संज्ञान में लेकर कोई कार्यवाही करते हैं या लीपापोती कर मामले को बिना संज्ञान के ही निपटा दिया जाता है

कन्या सुमंगला के लाभार्थियों को 25 हजार रुपये देगी योगी सरकार – राम फेरन पांडे विधायक

क्यूं न लिखूं सच
प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती- विधायक राम फेरन पांडे ने बताया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रक्षाबंधन के मौके पर बेटियों के खाते में कन्या सुमंगला योजना की राशि हस्तांतरित की। इस मौके पर उन्होंने बेटियों से राखी भी बंधवाई। रक्षा बंधन के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की बेटियों को बड़ी सौगात दी है। बुधवार को लोकभवन में आयोजित %मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला% योजना के लाभार्थियों से संवाद के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने इस योजना की धनराशि में बढ़ोतरी की घोषणा की है। श्रावस्ती विधायक राम फेरन पांडे ने बताया कि डबल इंजन की सरकार वित्तीय वर्ष 2024-2025 से कन्या सुमंगला योजना की धनराशि को 15 हजार से बढ़ाकर 25 हजार करने जा रही है।

जमुनहा तहसील केअधिवक्ता संघ द्वारा तहसील गेट के सामने बहराइच जमुनहा मार्ग पर किया चक्का जाम

क्यूं न लिखूं सच
प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती- श्रावस्ती तहसील जमुनहा में अधिवक्ताओं द्वारा हापुड़ में हुए संसार घटना पुलिस प्रशासन व अधिवक्ता संघ की बीच मारपीट को लेकर तहसील जमुनहा के अधिवक्ता सड़क पर उतरकर बहराइच जमुनहा मार्ग पर चक्का जाम किया और पुलिस प्रशासन के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए और कार्यवाही की मांग भी किया

तथा एक दिन के लिए कार्य बहिष्कार का भी कार्यवाही किया गया उप जिला अधिकारी जमुनहा को संबोधित ज्ञापन सौपा और दोषी लोगों के खिलाफ जांच करके कार्रवाई की मांग किया।

सूनी रह गई कलाई! भाई को राखी बांधने जा रही बहन की हादसे में मौत, बेकाबू ट्रक ने ले ली जान

भाई की कलाई पर राखी बांधने के लिए देवर के साथ बाइके मायके जा रही महिला की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। देवर गंभीर रूप से घायल है। हादसा मऊ जिले के कोपागंज थाना क्षेत्र के ग्राम सभा खुखुंडवा के पास हुआ। रक्षाबंधन पर बहन के घर आने का इंतजार कर रहे भाई को जब हादसे की सूचना मिली तो वह बदहवास हो गया। अन्य परिजनों का भी रो-रोकर बुरा हाल हो गया। भाई की कलाई पर राखी बांधने के लिए देवर के साथ बाइके मायके जा रही महिला की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। देवर गंभीर रूप से घायल है। हादसा मऊ जिले के कोपागंज थाना क्षेत्र के ग्राम सभा खुखुंडवा के पास हुआ। जानकारी के अनुसार पूजा राजभर (30) पत्नी शैलेंद्र राजभर निवासी लैरो दोनवार गुरुवार सुबह करीब नौ बजे अपने देवर उपेंद्र राजभर के साथ बाइक से गाजीपुर अपने भाई के घर राखी बांधने जा रहीं थी। कोपागंज क्षेत्र के खुखुंदवा के पास पीछे से आ रहे बेकाबू ट्रेक ने बाइक को टक्कर मर दी। पहिये के नीचे आ गई महिला- बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई और पूजा राजभर ट्रक के पहिये के नीचे आ गई। मौक पर ही उसकी मौत हो गई। वहीं देवर उपेंद्र घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजावाया। चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। परिजनों में कोहराम मचा है। डिवाइडर से टकराकर बाजार में पलटा ट्रक- मऊ शहर कोतवाली क्षेत्र के आजमगढ़ मोड़ तिराहे के पास ट्रक डिवाइडर से टकराकर पलट गया। देर रात होने के चलते सन्नाटा पसरा था। ऐसे में कोई बड़ा हादसा होने से बच गया। अगर ट्रक शाम के समय पलटता तो बड़ा हादसा हो सकता था। पुलिस ने घायल चालक-परिचालक को अस्पताल में भर्ती कराया। ट्रक को रास्ते से हटवाया।

ऑपरेशन धरपकड़ के तहत छ वारण्टी गिरफ्तार

क्यूं न लिखूं सच
लंकीन प्रसाद वर्मा

श्रावस्ती- श्रावस्ती पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह द्वारा ऑपरेशन धरपकड़ के तहत जनपद में वांछित वारंटियों के गिरफ्तारी व कार्यवाही के क्रम में थानाध्यक्ष इन्द्रसेन सिंह थाना हरदत्तनगर गिरन्ट जनपद श्रावस्ती के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा 06

वारंटी 1.परमेश्वर उर्फ भुजऊ पुत्र हरीराम नि0 ग्राम धन्नी पुरवा थाना हरदत्तनगर गिरंट 2. ईदू पुत्र यासीन खाँ निवासी ग्राम कटवा दा0 इमलिया करनपुर थाना हरदत्तनगर गिरण्ट जनपद श्रावस्ती 3. टुल्लू उर्फ टिल्लू पुत्र अहमद खान निवासी ग्राम पटपरगंज थाना हरदत्तनगर गिरण्ट 4. पुत्तीलाल पुत्र बाउर नि0 बृजवासी दा0 महरू मूर्तिहा थाना हरदत्तनगर गिरण्ट 5. इँसूफ की पत्नी नि0 नानकार मौ0 गोपाला सराय थाना हरदत्तनगर गिरण्ट 6. अब्दुल सलाम की पत्नी नि0 मोहनलाल पुरवा दा0/ थाना हरदत्तनगर गिरण्ट को उनके घर से दबिश देकर गिरफ्तार किया ।

वाराणसी कैंट स्टेशन पर कल से 45 दिनों का मेगा ब्लॉक, दूसरे स्टेशनों से चलेंगी कई ट्रेनें, कई निरस्त

वाराणसी के कैंट स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग और नॉन इंटरलॉकिंग के पहले चरण का काम एक सितंबर से शुरू होगा। इस कारण अगले 45 दिनों तक कैंट पर मेगा ब्लॉक रहेगा। पहले चरण में सद्भवना एक्सप्रेस, दुर्ग-नौतनवां एक्सप्रेस समेत आधा दर्जन से अधिक ट्रेनें बदले मार्ग से चलेंगी। वहीं कई ट्रेनें निरस्त रहेंगी। वाराणसी कैंट स्टेशन पर यार्ड री-मॉडलिंग कार्य और नॉन इंटरलॉकिंग ब्लॉक (एनआई) के कारण एक सितंबर से 15 अक्तूबर तक मेगा ब्लॉक लिया जाएगा। पहले चरण में एक्सप्रेस समेत चार पैसेंजर ट्रेनें निरस्त रहेंगी। एक से 13 सितंबर तक गाजीपुर सिटी-कोलकाता शब्दभेदी एक्सप्रेस और एक सितंबर से 16 अक्तूबर तक वाराणसी-आसनसोल मेमू, एक सितंबर से 15 अक्तूबर तक बनारस-भटनी पैसेंजर और गाजीपुर सिटी-प्रयागराज संगम मेमू निरस्त निरस्त रहेंगी। कैंट स्टेशन पर एडीआरएम लालजी चौधरी और स्टेशन निदेशक गौरव दीक्षित ने बताया कि 30 वर्ष के बाद यार्ड रिमॉडलिंग का काम शुरू हो रहा है। पहले चरण का काम एक से 10 सितंबर तक होगा। इस अवधि में प्लेटफॉर्म संख्या तीन पूरी तरह से निष्क्रिय रहेगा। यार्ड रिमॉडलिंग कार्य पूरा होने से सभी रेलवे लाइनें सीधी हो जाएंगी। लोहता, शिवपुर और बनारस स्टेशन से आवाजाही करने वाली ट्रेनों को आउटर पर देर तक रोकने से मुक्ति मिल जाएगी। इससे एक लाख से अधिक यात्रियों को सुविधा होगी।एडीआरएम और स्टेशन निदेशक ने बताया कि यार्ड रिमॉडलिंग पूरा होने के बाद ट्रेनों का परिचालन इलेक्ट्रानिक इंटरलॉकिंग सिस्टम के जरिये होगा। पॉवर केबिन से यह व्यवस्था संचालित होगी। एक तरह से कहा जाए तो कंप्यूटराइड सिस्टम से पॉवर केबिन लैस हो जाएगा। पहले कर्मी अपनी सीट से खड़े होकर बटन दबाकर ट्रेनों को प्लेटफॉर्म पर लाते थे, अब अपने कुर्सी पर बैठे ही माउस के जरिए ट्रेनों को प्लेटफॉर्मों पर प्लेस कर सकेंगे। ऐसा सिस्टम शिवपुर स्टेशन पर है। कैंट स्टेशन पर पहले और यार्ड रिमॉडलिंग के बाद स्टेशन पर पहले नौ थे प्लेटफॉर्म। यार्ड रिमॉडलिंग के बाद इनकी संख्या 11 हो जाएगी। पहले तीन ही प्लेटफॉर्म फुल लेंथ के थे। अब 11 हो जाएंगे। 24 कोच की ट्रेनें खड़ी हो सकेंगी। पहले 12 रनिंग लाइनें थी। अब 15 हो जाएंगी पहले दो गुड्स लाइनें थीं। इनकी संख्या छह हो जाएंगी पहले वॉशिंग की चार लाइनें थी। अब आठ हो जाएंगी फुल लेंथ की दो वॉशिंग लाइनें थीं। इसकी संख्या आठ हो जाएगी। पहले तीन स्टेबलिंग लाइन थी, अब आठ हो जाएगी नौ डायमंड क्रॉसिंग थे। आठ खत्म होकर एक रह जाएगी कंप्यूटराइज्ड सिस्टम से लैस होगा पॉवर केबिन इन ट्रेनों के बदले मार्ग बदले कैंट स्टेशन से होकर गुजरने वाली 14017/18 रक्सौल-आनंद विहार सद्भवना एक्सप्रेस एक सितंबर से 12 अक्तूबर तक वाया अतरौली रोड-जौनपुर-शाहगंज के रास्ते, 14007/08 और 14015/16 सद्भवना एक्सप्रेस एक सितंबर से 13 अक्तूबर तक वाया अतरौली रोड-जौनपुर-जफराबाद-सुल्तानपुर के रास्ते अप-डाउन करेगी। 18201/02 दुर्ग-नौतनवां एक्सप्रेस एक सितंबर से 13 अक्तूबर तक वाया प्रयागराज, सुल्तानपुर, अयोध्या कैंट, अयोध्या और नौतनवां के रास्ते आवाजाही करेगी। एक सितंबर से 18 अक्तूबर तक 19091/92 हमफसर एक्सप्रेस, 19489/90 गोरखपुर-अहमदाबाद एक्सप्रेस वाया जीवनाथपुर, कैंट, जौनपुर और औड़िहार के रास्ते आवाजाही करेगी। ये ट्रेनें रहेंगी निरस्त वाराणसी-आसनसोल मेमू 31 अगस्त से 15 अक्तूबर तक बनारस-भटनी और गाजीपुर सिटी-प्रयागराज संगम पैसेंजर एक सितंबर से 15 अक्तूबर तक वाराणसी सिटी-भटनी एक्सप्रेस स्पेशल 31 अगस्त से 14 अक्तूबर तक नई दिल्ली जाने वाली महामना एक्सप्रेस 12, 14, 16, 19, 21, 23, 26, 28 व 30 सितंबर और 3, 5, 7, 10, 12 व 14 अक्तूबर एकतानगर जाने वाली महामना 14, 21 व 28 सितंबर और 5 व 15 अक्तूबर को मैसूर एक्सप्रेस 14, 16, 21, 23, 28 व 30 सितंबर और 5, 7, 12 व 14 अक्तूबर को अर्चना एक्सप्रेस 9,12, 16, 19, 23, 26 व 30 सितंबर और 3, 7, 10 व 14 अक्तूबर को दानापुर-आनंद विहार जनसाधारण 11 सितंबर से 15 अक्तूबर तक माल्दा टाउन-आनंद विहार वीकली एक्सप्रेस 15, 22 व 29 सितंबर और 6 व 13 अक्तूबर माल्दा टाउन-नई दिल्ली एक्सप्रेस 12, 16, 19, 23, 26 व 30 सितंबर और 3, 7, 10 व 14 अक्तूबर हरिहर एक्सप्रेस 11, 14, 18, 21, 25 व 28 सितंबर व 2, 5, 9, 12 व 16 अक्तूबर शालीमार-गोरखपुर एक्सप्रेस 12, 19 व 28 सितंबर और 3 व 10 अक्तूबर गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस 11 सितंबर से 15 अक्तूबर तक गुवाहाटी-ओखा एक्सप्रेस 11, 18 व 25 सितंबर और 2 व 9 अक्तूबर कामाख्या एक्सप्रेस 20 व 27 सितंबर और 4 व 11 अक्तूबर छपरा स्पेशल क्लोन 11, 18 व 15 सितंबर और 2 व 9 अक्तूबरछपरा-लखनऊ एक्सप्रेस 20 सितंबर से 15 अक्तूबर तक जलियावाला बाग एक्सप्रेस 18, 20, 25 व 27 सितंबर और 4, 6, 11 व 13 अक्तूबर बनारस-सम्बलपुर एक्सप्रेस 21, 25 व 28 सितंबर और 2, 5, 9 व 12 अक्तूबर बनारस-रांची एक्सप्रेस 20, 22, 23, 24, 26, 27, 29 व 30 सितंबर और 1, 3, 4, 6, 7, 8, 10, 11, 13, 14, 15 व 19 अक्तूबर अहमदाबाद-पटना एक्सप्रेस 24 सितंबर और 1 व 8 अक्तूबर उदयपुर-पाटलिपुत्र हमसफर एक्सप्रेस 20 व 27 सितंबर और 4 व 11 अक्तूबर पाटलिपुत्र-चंडीगढ़ सुपरफास्ट 20, 24 व 27 सितंबर और 1, 4, 8 व 11 अक्तूबर बनारस-हुबली साप्ताहिक एक्सप्रेस 24 सितंबर और 1, 8 व 15 अक्तूबर बनारस-बक्सर मेमू 20 सितंबर से 15 अक्तूबर तक बलिया-दादर स्पेशल 22, 24, 27 व 29 सितंबर और 1, 4, 6, 8, 11, 13 व 15 अक्तूबर गोरखपुर-दादर स्पेशल 21, 23, 25, 26, 28 व 30 सितम्बर और 2, 3, 5, 7, 9, 10, 12, 14 व 16 अक्तूबर छपरा-जालना स्पेशल 22 व 29 सितंबर और 6 व 13 अक्तूबर बनारस-विशाखापट्टनम स्पेशल 21 व 28 सितंबर और 5 व 12 अक्तूबर बरौनी फेयर स्पेशल 19 व 26 और 3 व 10 अक्तूबर अहमदाबाद-पटना स्पेशल 18 व 25 सितंबर और 2 व 9 अक्तूबर ओखा-नहारलगुन स्पेशल 19 व 26 सितंबर और 3 व 10 अक्तूबर शब्दभेदी एक्सप्रेस 31 अगस्त, 7, 14, 21 व 28 सितम्बर और 5 व 12 अक्तूबर

जेलों के बाहर बहनों की कतार, आंखों में आंसू, हाथों में पूजा की थाली... कैदी भाईयों को बांधी राखी

बरेली में जिला और केंद्रीय जेल में सैकड़ों बहनें अपने बंदी भाइयों को राखी बांधने पहुंचीं। रक्षाबंधन पर दोनों जगह सुबह से ही बहनों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। सेंट्रल जेल प्रशासन ने बंदी भाइयों व उनकी बहनों के लिए विशेष इंतजाम किए। आज देश भर में रक्षा बंधन का पर्व मनाया जा रहा है। इस दौरान जेलों में बंध भाईयों को राखी बांधने के लिए बहनें जेलों में पहुंचीं। जहां उन्होंने जेल प्रशासन की सुरक्षा के बीच भाईयों को राखी बांधी। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में कैदी भाईयों को राखी बांधने पहुंची बहनों की एक लंबी कतार जेल के बाहर एंट्री गेट पर देखने को मिली। जिला जेल में भी इस बार भव्य आयोजन किया गया। जेल परिसर के बाहर टेंट और कुर्सियां लगाकर बहनों को बैठाने की व्यवस्था की गई तो अंदर एक हॉल को समारोह की तर्ज पर सजाकर भाई-बहनों को बैठाया गया। बंदी भाइयों के राखी बांधने के दौरान कई बहनें भावुक हो गईं। उन्होंने उनकी रिहाई के लिए कामना की। शुभ मुहूर्त में कई घरों में बहनों ने भाईयों के कलाई पर राखी बांधी और उनसे रक्षा का संकल्प लिया। इसी बीच गोरखपुर जेल में भी बहनों ने अपने भाईयों को राखी बांधी। रायबरेली जेल में बंद कैदियों ने बहनों के साथ राखी का त्योहार मनाया। बांधी जा रही राखी को लेकर एक खुशी का माहौल है। जेल प्रशासन की तरफ से पुख्ता इंतजाम किए। इस दौरान जेल के बाहर बहनों की एक लंबी कतार नजर आई। केंद्रीय कारागार नैनी में बंद भाइयों को राखी बांधने के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंचीं। सुबह से ही जेल के बाहर लंबी कतार लग गई थी। मुलाकात तीन शिफ्ट में कराई गई। हर शिफ्ट में तीन से चार सौ महिलाएं शामिल रहीं। आज देशभर में रक्षा बंधन का त्योहार मनाया जा रहा है। इस दौरान चंडीगढ़ की बुड़ैल जेल में भी बहनों ने भाईयों की कलाई पर राखी बांधी। जिला जेल में रक्षाबंधन के मौके पर बहनों से कारागार मंत्री धर्मवीर प्रजापति बातचीत करते नजर आए। आज रक्षा बंधन के मौके पर कई बहनों जेल में अपने भाईयों को राखी बांधने पहुंची। पंजाब सरकार व जेल विभाग की हिदायत पर फरीदकोट के केंद्रीय माडर्न जेल में बंद हवालातियों व कैदियों के लिए जेल प्रबंधन द्वारा राखी का पावन त्यौहार मनाने के लिए विशेष प्रबंध किए गए। इस दौरान बड़ी संख्या में बहनों ने जेल में बंद अपने भाइयों को राखी बांधी।फिरोजाबाद जिला जेल में कैदी भाइयों को रक्षा सूत्र बांधने के लिए बहनें सुबह से ही जेल परिसर में कतार में नजर आईं। जेल में प्रवेश करते समय बहनों पर मुहर लगाई जाती है। बागपत जेल में क़रीब 600 बंदियों को रखी बांधने उनकी बहन पहुंची। भाई को राखी बांधते हुए कई बहनों की आंखे नम हो गई। बहनों ने भाई को राखी बांधते हुए उनकी लंबी आयु और खुशी की प्रार्थना की तो भइयो ने बहनों की रक्षा का वचन दिया।देश में रक्षा बंधन का त्योहार मनाया जा रहा है। इसी बीच हल्द्वानी जेल में भाइयों को बहनें राखी बांधने पहुंची।

सूखे ने बना दिया 80 अरब का कर्जदार, मंडल के एक लाख किसानों पर ही है इतना बैंक कर्ज

20 साल के सूखे ने किसानों को 80 अरब का कर्जदार बना दिया। मंडल के एक लाख किसानों पर ही 35 अरब का बैंक कर्ज है। किसानों के नुकसान की भरपाई के लिए सरकार योजनाएं चला रही है। बुंदेलखंड में पिछले 50 वर्षों में करीब 20 वर्ष ऐसे रहे कि दैवीय आपदाओं ने किसानों की फसलें बर्बाद हुईं।दो दशक से सूखे से जूझ रहे बुंदेलखंड के किसान आर्थिक रूप से उबर नहीं पा रहे हैं। चित्रकूटधाम मंडल के किसानों पर करीब 80 अरब से अधिक का कर्ज है। इस वर्ष भी खरीफ की फसल होने की उम्मीद नजर नहीं आ रही। किसान सरकार से कर्ज माफी की उम्मीद लगाए बैठे हैं। उधर, मंडल में सूखे के प्रभाव को कम करने वाली योजनाओं ने तेजी पकड़ ली। बुंदेलखंड में पिछले 50 सालों में करीब 20 वर्ष ऐसे रहे कि दैवीय आपदाओं ने किसानों की फसलें बर्बाद हुईं। किसान साल दर साल कर्ज के बोझ तले दबता गया। आय दोगुनी करने के बड़े-बड़े दावे भी काम नहीं आए। आंकड़ों की माने तो चित्रकूटधाम मंडल में चार लाख से अधिक किसानों पर कर्ज है। इन पर करीब 80 अरब से अधिक का कर्ज है। इनमें एक लाख से अधिक ऐसे किसान हैं, जिन्होंने बैंक से करीब 35 अरब रुपये का कर्ज ले रखा है। बैंक की तमाम कोशिशों के बाद भी लौटा नहीं पा रहे है। बैंकों ने अपनी रकम एनपीए (बट्टे खाते) में डाल दी। उधर, अधिकारियों ने शासन को सूखा न्यूनीकरण प्रबंधन योजना के तहत मंडल में सूखे के असर को कम करने के लिए 100 करोड़ की कार्ययोजना भेजी है। इसके साथ ही पहले से चल रहे काम मेड़बंदी, खेत-तालाब, पशुपालन, उद्यान जैसी योजनाओं ने तेजी पकड़ ली है।

इन वर्षों में मंडल ने झेली सूखे की मार

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक 1972 व 1973 में मंडल सूखाग्रस्त रहा। पांच साल तक कुछ फसल ठीकठाक रही और 1979 में मानसून फिर दगा दे गया। एक साल बाद 1980 व 1983 तक लगातार मंडल सूखे की विभीषिका से जूझता रहा। 1986 व 87 में भी मानसून रूठा रहा। इसके बाद 1990 से 1993 तक व 1997, 1998 मे भी कुदरत ने साथ नहीं दिया। वर्ष 2003, 2005, 2011, 2016, 2017 और 2020 में भी मंडल सूखाग्रस्त रहा।

सूखे के असर को कम करने को कई योजनाएं

उप निदेशक कृषि विजय कुमार का कहना है कि सरकार की सूखा न्यूनीकरण प्रबंधन योजना के तहत जिले में सूखे को कम करने के लिए मेड़बंदी, खेत-तालाब योजना, पशुपालन, उद्यान जैसी तमाम योजनाएं संचालित हैं। इधर, विभागों ने 100 करोड़ की कार्ययोजना और भेजी है। कुछ दिन बाद किसान कम बारिश पर भी अच्छी आय अर्जित कर सकेगा। केस-1 गंछा के किसान सीताराम का कहना है कि पिछले कई सालों से सूखा व अतिवृष्टि से फसल नहीं हो पा रही है। इस वर्ष केसीसी से कर्ज लेकर खरीफ की बुआई की तो पहले सूखा फिर बारिश से फसल नहीं हो पा रही है। बैंक का कर्ज कैसे और कहां से अदा करें। केस-2 कनवारा के किसान शंभू का कहना है कि कई सालों से फसलों पर कुदरत का कहर बरप रहा है। दो साल पहले कर्ज लेकर खेतों में खाद-बीज डाला तो सूखे ने चौपट कर दिया। इस वर्ष पहले सूखा फिर बारिश से फसल चौपट हो गई। बैंक का कर्ज कहा से अदा करें। सरकार ने जिले में कर्जदार किसानों का ब्यौरा मांगा था। जो भेज दिया गया है। जल्द सरकार कर्ज माफी पर कोई निर्णय लेगी। -विनय पांडेय, अग्रणी बैंक प्रबंधक, बांदा

स्मैक धंधेबाज सुधीर व उसकी बहन गिरफ्तार, दोनों पर हो चुकी की है गैंगस्टर की कार्रवाई

गोरखपुर शहर के अमरूतानी में स्मैक के धंधे को संभालने वाली मंजू की बेटी माला निषाद और उसके भाई सुधीर निषाद को पुलिस ने बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेजा गया। दोनों लंबे समय से स्मैक के धंधे से जुड़े हैं। एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि आरोपियों पर गैंगस्टर की कार्रवाई की गई थी। आरोपी भाई-बहन को जेल भेजा गया है, आगे भी पुलिस की कार्रवाई जारी रहेगी। बीते दिनों पुलिस ने इन दोनों पर डीएम से अनुमोदन के बाद गैंगस्टर की कार्रवाई की थी। तभी से पुलिस दोनों की तलाश में जुटी थी। पुलिस रिकॉर्ड में सुधीर पर 16 तो वहीं उसकी बहन माया पर 19 मुकदमे दर्ज हैं। दोनों अमरूतानी के चकरा अव्वल में घर बनवाकर रहते हैं। एसओ राजेंद्र सिंह के मुताबिक, सुधीर, उसकी बहन, पत्नी, मां व भाई सभी स्मैक की खरीद-फरोख्त करते हैं। सब मिलकर से घर से ही नशे का धंधा करते हैं। गैंग की लीडर सुधीर की मां मंजू देवी है। गैंग के सदस्य सुधीर, उसकी बहन माला देवी आदि है। साथ ही बुनियादी लाभ हेतु व्यक्तियों को डराते धमकाते हैं।अभी कुछ माह पूर्व मारपीट व स्मैक के साथ पुलिस ने सुधीर को जेल भिजवाया था। छूट कर आने के बाद इसने सुलह हो चुके एक मुकदमे की वादी महिला को धमकाया था। महिला ने एसएसपी से शिकायत भी की थी। इसके बाद पुलिस ने फिर कार्रवाई की है।दरअसल, पंडिताईन का कद स्मैक के धंधे में घटने के बाद ही मंजू निषाद ने इसे आगे बढ़ाया है, लंबे समय से वह इस धंधे को बढ़ा रही है। इनके अवैध धंधे को देखते हुए एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने खुद सबकी संलिप्ता और कार्रवाई का प्लान तैयार किया था, जिसके बाद इन पर कार्रवाई की गई है। एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि आरोपियों पर गैंगस्टर की कार्रवाई की गई थी। भाई-बहन को जेल भेजा गया है, आगे भी पुलिस की कार्रवाई जारी रहेगी।

लड़ते-लड़ते घर में घुस, फिर छत पर पहुंच गए दो सांड़; ग्रामीणों ने इस तरह नीचे उतारा

एटा के अवागढ़ में सड़क से लेकर खेतों तक निराश्रित गोवशों का आतंक तो था ही, लेकिन बृहस्पतिवार को सांड़ लड़ते -लड़ते एक व्यक्ति के घर में नहीं बल्कि छत पर पहुंच गए। घटना के बाद हड़कंप मच गया। कड़ी मशक्कत के बाद दोनों सांड़ों को ग्रामीणों ने रस्सी की मदद से नीचे उतारा। दो सांड़ों की लड़ाई के दौरान ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। दोनों सांड़ लड़ते-लड़ते एक किसान के घर में घुसे और फिर सीढ़ियों से होते हुए छत पर पहुंच गए। एटा के अवागढ़ में सड़क से लेकर खेतों तक निराश्रित गोवशों का आतंक तो था ही, लेकिन बृहस्पतिवार को सांड़ लड़ते -लड़ते एक व्यक्ति के घर में नहीं बल्कि छत पर पहुंच गए। घटना के बाद हड़कंप मच गया। कड़ी मशक्कत के बाद दोनों सांड़ों को ग्रामीणों ने रस्सी की मदद से नीचे उतारा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ निराश्रित गोवंशों को गोशालाओं में पहुंचाने का आदेश दे रहें, लेकिन हकीकत इससे इतर है। इसका परिणाम है कि सांड़ों का आतंक है। मुख्यमंत्री के आदेश को अधिकारी ढाक के तीन पात के रूप में लेकर घूम रहे निराश्रित गोवंशों को नजर अंदाज कर दे रहे हैं। जिसके कारण गोवंश एक तरफ जहां किसानों की खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा रहे। वहीं आबादी क्षेत्रों व मार्गों पर हादसों का सबब बन रहे हैं। बृहस्पतिवार को कटैलिया गांव में कुछ गोवंश फसल को नुकसान पहुंचा रहे थे। जिन्हें किसानों ने खेत से बाहर खदेड़ दिया। कुछ समय बाद गोवंश का एक झुंड गांव में घुस आया। उनमें से दो सांड़ आपस में लड़ने लगे। देखते ही देखते दोनों सांड़ लड़ते-लड़ते गांव निवासी किसान रामभरोसे के घर में घुस गए, यहां तक तो ठीक था, लेकिन दोनों सांड़ लड़ते हुए जीने के सहारे छत पर चढ़ गए। इसके बाद हड़कंप मच गया। दोनों सांड़ नीचे नहीं उतर पा रहे थे। काफी देर तक दोनों मकान की छत पर खड़े रहे। ग्रामीणों ने रस्सी से दोनों को बांधा। कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह से दोनों सांड़ों को ग्रामीणों ने नीचे उतारा। इस घटना को देखने के लिए गांव में लोगों की भीड़ किसान के दरवाजे पर जमा हो गई थी।

From health to beauty, know the surprising benefits of drinking turmeric milk

Haldi Doodh Benefits The spices present in the Indian kitchen are very beneficial for health along with enhancing the taste of food. Turmeric is included in these spices, medicinal properties are found in it. It is effective in reducing many problems of the body. Whereas milk is a treasure of nutrients. If you drink turmeric mixed with milk daily, you will be saved from many diseases.

Turmeric is used as a medicine in Ayurveda. To save yourself from disease, you should drink turmeric milk in every season. Your skin is healthy by consuming turmeric milk. You must have heard elders saying that turmeric milk daily gives strength to the body. Turmeric is used as a medicine in Ayurveda. It is considered a natural antibiotic, whereas calcium, protein and many vitamins are found in milk. In such a situation, if you drink turmeric mixed with milk, you can avoid many health problems. It is very beneficial for health and skin. So let's tell about some benefits of turmeric milk. Better sleep If you want to sleep peacefully, then take a glass of turmeric milk daily at night. It can help you sleep better.

These yoga asanas can protect you from the risk of Alzheimer's disease, practice regularly for good memory.

World Alzheimer's Day is celebrated every year on 21 September. Alzheimer's disease is one of the rapidly progressive serious neurological disorders. The effect of which is more seen in

people above 60 years of age. Even scientists have not been able to properly understand the causes of Alzheimer's. Alzheimer's is like a puzzle for experts in many ways. Therefore there is no specific treatment for it. People consider Alzheimer's as mere loss of memory. However, in Alzheimer's this is just one condition. World Alzheimer's Day is celebrated every year on 21 September to make people aware of Alzheimer's and its prevention. According to experts, to prevent Alzheimer's disease, yoga should be included in your daily routine. Many yoga asanas help in improving mental health as well as reducing the factors of Alzheimer's disease. Let us know about yogasanas to prevent Alzheimer's, which can be practiced regularly. Vajrasana Yoga - Make a habit of practicing Vajrasana Yoga in the complaint of Alzheimer's. By practicing Vajrasana the mind becomes calm and stable. It is also beneficial in reducing digestive acidity and gas formation. By regular practice of this asana, the risk of Alzheimer's-dementia can also be reduced to a great extent. Schimottanasana Yoga- Practice of Paschimottanasana Yoga is beneficial for improving both mental and physical health. Paschimottanasana helps in reducing the factors of Alzheimer's disease. It is also beneficial for patients suffering from high blood pressure and diabetes. Paschimottanasana can also be practiced to promote blood circulation in the head, reduce insomnia, depression and anxiety. Shirshasan Yoga- The practice of Shirshasan is considered effective in increasing blood circulation. This asana is beneficial for improving the overall functionality of the body by practicing this asana. Make a habit of practicing this yoga in maintaining better mental health. Note: This article has been prepared based on the suggestions of Yogguru. You can contact an expert to know about the correct posture position.

Every mother must discuss these things with her teenage daughter

Mother is the first teacher in our life. Only our parents teach us the biggest lessons of life which are useful to us throughout our life. But there are some things that a mother must do with her daughter, especially in her growing age. Many women hesitate to talk about these topics but it is very important to talk about it. Mothers must say these things to teenage daughters - Discussion is necessary for physical and mental health. From childhood till growing up, we learn many small and big things of life from our parents, especially from the mother. Because she is the first teacher of our life. But this process of teaching and learning should not be limited to childhood only.

Many things are related to the growing age of children. If there is a daughter in the house, then you can understand that as they grow old, there are many physical and mental changes in them. In such a situation, if you talk to her about these things, guide her properly, then it will be easier for your daughter to face many difficulties, so every mother must talk to her teenage daughter about these things. On physical changes- Many types of changes are seen in the body of girls as soon as they hit puberty. Their breasts start developing. For which she can get upset many times. In this situation, it is your responsibility to explain to them that this is all normal. Tell the problems and important things related to periods. Tell them how to dress according to body changes. Nutrition- Teenage girls are in great need of proper nutrition, so tell them about it too. Of course junk and fast food are fun to eat, but explain what is necessary for the body. A diet rich in both micro and macro nutrition should be taken in teenage. Calories, proteins, iron, calcium, zinc and folate are most needed in this age. Mental Health- At this stage of age, along with physical changes, mental problems can also cause trouble. That's why talk to the daughters openly on every important topic. In this age, many girls get troubled by the changes in periods, breasts and when they do not get anyone to talk about it, they start becoming victims of depression and stress. Do not ignore this problem of theirs.

If you are planning to meet your crush through dating app, then definitely follow these safety rules.

Online Dating Safety Tips Nowadays, it is easy to find a partner using dating apps. Nowadays people have started using these apps a lot in search of a good life partner. Many times people meet through dating apps and get cheated in relationships. That's why you need to take some precautions while using this app. Many times people become victims of exploitation in relationships made from dating apps- If you are planning to meet a person for the first time, always plan to meet at a public place only. If you are planning to meet someone, then do a video call before the date. The use of dating apps has become common these days. People use dating apps in search of a good life partner or for a casual relationship. If you also use dating app, then you should keep some things related to it in mind. There may be some disadvantages of using dating apps. Your own safety is also very important while using it. Many times people become victims of exploitation in relationships made through dating apps or get trapped in some kind of fraud. Therefore, it is important to know what things need to be kept in mind while using Datetime. Do not make plans to meet immediately - If you are planning to meet someone through a dating app, then first of all you should take care of your safety. It is necessary. Don't plan to meet someone right away after getting a match with someone on a dating app, take time to get to know that person. Video call before the date- If you are planning to meet someone, then a video call before the date Do make a video call, by this you will understand whether the person seen in the photo is the same person or not. Also, you will be able to know the person in front of you by his words and gestures. Make a plan to meet in a public place- If you are planning to meet a person for the first time, always make a plan to meet at a public place only. Places like parks, cafes, restaurants etc. will be safe for you. Go by your own cab or car - If you are planning to meet someone for the first time, always go by your own cab or car. Unless you trust the person completely, don't ask him to pick you up or drop you off. Let a friend or family member know who and where you are going out to meet. This comes first in your safety rules.

Aishwarya Sharma remembered 'Mutter Paneer' during the deadly stunt, told who was given this name by her in-laws

The level of the game of Khatron Ke Khiladi 13 Khatron Ke Khiladi 13 is already being told to be dangerous and one level ahead. A new promo of the show has surfaced in which rats and insects have been released on Gum Hai Kisi Ke Pyar Mein actress Aishwarya Sharma. During this, she gets nervous and takes such names, listening to which Rohit Shetty cannot stop laughing. New promo of Khatron Ke Khiladi 13 surfaced Aishwarya Sharma's stunt worsened - Aishwarya remembered 'Matar Paneer' The 13th season of the reality show 'Khatron Ke Khiladi' is quite popular. From Shiv Thackeray to Archana Gautam attended the show. At the same time, level of the game has also become dangerous as compared to earlier. only do the screams of the contestants come out, but the names relative from parents to parents A new promo of the show has come which Aishwarya Sharma is seen in condition. The new promo of 'Khatron Ke Khiladi 13' is dangerous stunts performed so far in 'Khatron Khiladi 13' Yes, the condition of contestants in them has been seeing. Sometimes the contestants have to perform task while being at a height, sometimes by being among insects. A new promo of show has surfaced, in which rats and insects are seen hovering over Aishwarya Sharma. During this, a nervous Aishwarya taking the names of family members one. Who is Matar Paneer? - Aishwarya says "Mummy, Papa, Appointed Didi, Nanu, Matar Paneer." Everyone starts laughing on hearing this. . After this Rohit Shetty asks him who is Matar Paneer. Aishwarya tells that matar paneer is her in lodge. She calls mother-in-law as peas and father-in-law as cheese. Rohit Shetty could not stop laughing on hearing the name Paneer of father in law. Was injured - A few days back Aishwarya had shared a photo, in which she showed the marks of injury on her hand. Actually, he got this injury during the task performance. She runs to the beach, but a ferocious dog is left behind. As she runs away, he grabs her from behind. Due to this, she falls on the ground and pleads for help from the people.

TV's 'Radha' approached for Bigg Boss 17, Mallika Singh told whether she will be a part of the show or not

Mallika Singh On Bigg Boss 17 The reality show Bigg Boss 17 is in a lot of discussion these days. The names of many TV stars are appearing in the contestant list of the show. One of them is TV's Radha i.e. Mallika Singh. Recently Mallika told that she has got an offer from the show. Know whether the actress has rejected the offer of the show or not. Mallika Singh On Bigg Boss 17: After the reality show 'Bigg Boss OTT Season 2' became a hit, now 'Bigg Boss 17' is in the news. This time the news of coming out in closure of many famous stars is TV's Radha this show. Bigg Boss house. It is being said that Mallika Bharat's i.e. Mallika Singh will also be a part of seen in Will Mallika Singh go to Bigg Boss 17?- show. Singh got popularity from Star her show 'RadhaKrishn'. She was news the role of Radha in the Since then people know of the only by the name of 'Bigg Radha. For some time, herself was coming out that Mallika could be a part Boss 17 - controversial show revealed in Boss 17'. Now Mallika was has reacted to this. approached Mallika Singh has but she confirmed this on Bigg refused the offer. Mallika Singh has conversation with India a latest interview that she "Yes, I have been for Salman Khan's show, but I am not doing it." List of Didn't accept. In a 17- It is reported that the Forums, Mallika said, be based on the theme approached for the show, on one side there will be Contestants of Bigg Boss the show and on the other house of 'Bigg Boss 17' will said that apart from 'Single vs Couple'. That is, like Shafak Naaz, entry of many couples in and Neil Bhatt, Abhishek side of singles. It is being Shankar, Sachin Meena Mallika Singh, stars Anjum Fakih, Arjit Aishwarya Sharma Darbar, Anjali Arora and Malhan - Jiya and Seema Haider, Farooqui will be part of Taneja, Awez can be locked in the Munawar Bigg Boss 17 starting? - 'Bigg Boss 17'. ' Fans are eagerly waiting for the upcoming season of 'Bigg Boss'. Earlier it was being told house. When is that the show will start in the end of September, but now a new date has come to the fore. It is believed that 'Bigg Boss 17' may start on Colors TV from October 20, but the date has not been announced by the makers yet.

Allu Arjun's Pushpa 2 will hit the theaters on this day, a big update came out regarding the release date

South Superstar Allu Arjun has been in limelight for a long time for his upcoming film 'Pushpa 2: The Rule'. Recently the actor has been awarded the National Award for the film 'Pushpa'. Allu Arjun became the first Telugu actor to win the National Award. The fans of the actor are eagerly waiting for his upcoming film 'Pushpa 2'. Meanwhile, it is reported that this much awaited film of Allu Arjun is going to release soon. If media reports are to be believed then the release date of the actor's film has been fixed. The film will be released in 2024 Reports claimed that Allu Arjun's much-awaited film 'Pushpa 2' will release on March 22, 2024. However, no official announcement has been made by the makers regarding the release date of the film. If reports are to be believed, the shooting of the film is going to wrap up within a few weeks and the makers of the film are planning to schedule the post-production. 'Pushpa: The Rise' is a sequel to 'Pushpa 2: The Rule'.A few weeks ago the makers of Pushpa 2 released the first-look of Allu Arjun from the film. The poster showed the actor dressed in a saree and holding a gun in his right hand. This poster created panic on the internet. 'Pushpa 2: The Rule', being directed by Sukumar, is a sequel to his 2021 film 'Pushpa: The Rise'. Allu Arjun, Rashmika Mandanna and Fahadh Faasil will be seen reprising their roles in the film. The film has created huge excitement among the audience. Actor expresses gratitude to fans Meanwhile, recently, Allu Arjun won the Best Actor award for 'Pushpa' at the 69th National Film Awards. The actor wrote on his social media, “Many congratulations to all the National Award winners across the country in different categories and languages. I would like to express my gratitude for the love and wishes pouring in from every corner of the country.